

ओटीएस में लखनऊ प्रदेश के 17 नगर निगमों में सबसे आगे, सर्वाधिक 06.50 करोड़ रुपये की गृहकर वसूली

अब तक 3967 आवेदन प्राप्त, 14 नवंबर तक कर सकते हैं आवेदन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के तहत गृहकर वसूली में लखनऊ नगर निगम प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों में सबसे आगे है। लखनऊ नगर निगम ने अब तक 06.50 करोड़ रुपये की गृहकर वसूली की है। योजना के तहत बड़ी संख्या में बकायेदार आवेदन कर रहे हैं और नगर निगम स्तर पर आवेदनों के निस्तारण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। लखनऊ नगर निगम में अब तक ओटीएस योजना के तहत 3967 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 3723 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं। वहीं 05 आवेदन निरस्त किए गए हैं, जबकि



239 आवेदन अभी प्रक्रिया में हैं।

14 नवंबर तक कर सकते हैं आवेदन

ओटीएस योजना के तहत पात्र बकायेदारों के लिए 14 नवंबर 2026 तक आवेदन करने का अवसर उपलब्ध है। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदनों का निस्तारण और भुगतान की कार्रवाई की जाएगी। महापौर सुषमा खर्कवाल ने नागरिकों से अपील की जा रही है कि वे अंतिम समय का इंतजार न करते हुए जल्द आवेदन करें और योजना का

लाभ लें।

घर बैठे ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

ओटीएस योजना के लिए नागरिक ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित ओटीएस पोर्टल www.upul-bots.in पर जाकर आवेदन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए इसे चरणबद्ध तरीके से रखा गया है।

ऑफलाइन आवेदन के लिए जोनल हेल्पडेस्क

ऑनलाइन के अलावा ऑफलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध है। नगर निगम के सभी आठ जोन में ओटीएस हेल्पडेस्क स्थापित किए गए हैं। यहां नागरिक योजना में संबंधित जानकारी और आवेदन प्रक्रिया में सहायता प्राप्त कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन जमा करने पर आवेदक को हस्ताक्षर

और मुहर वाली रिसीविंग भी उपलब्ध कराई जाएगी।

नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर ओटीएस सॉफ्टवेयर और योजना की प्रक्रिया को लेकर नगर निगम मुख्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। प्रशिक्षण मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह और विनय कुमार राय की अध्यक्षता में हुआ था। इसमें सभी जोन के टैक्स सुपरिटेण्डेंट और कर्मचारी शामिल हुए थे।

15 दिसंबर तक योजना की अवधि

एकमुश्त समाधान योजना के तहत पात्र बकायेदारों को लंबित गृहकर, जलकर और सीवकर के भुगतान पर शासनादेश के अनुसार ब्याज और सरचार्ज में छूट का प्रवधान है। योजना की समग्र अवधि 15 अगस्त से 15 दिसंबर 2026 तक निर्धारित है। नगर निगम की ओर से लोगों से समय रहते आवेदन और भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने की अपील की जा रही है।

आस्था के रंग में रंगा नगराम, गाजे-बाजे के साथ निकली गणपति की भव्य विदाई यात्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ । नगराम कस्बे के गढ़ी मोहल्ले में गणेश चतुर्थी के अवसर पर स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा का शुक्रवार को धूमधाम और भक्तिभाव के साथ विसर्जन किया गया। गढ़ी मोहल्ले में इस वर्ष लगातार आठवीं बार गणेश प्रतिमा स्थापित की गई थी। कई दिनों तक चले गणेश उत्सव में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से माहौल भक्तिमय बना रहा। गणेश उत्सव के दौरान एक से बढ़कर एक आकर्षक झांकियां सजाई गईं। झांकियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। पूरे आयोजन के दौरान गढ़ी मोहल्ला गणपति बप्पा के जयकारों से गूंजता रहा। शुक्रवार को विसर्जन के अवसर पर गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ’ के जयकारों के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते और अबीर-गुलाल उड़ते हुए समेसी स्थित



शारदा सहायक नहर पहुंचे। यहां विधि-विधान से भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। विसर्जन यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। प्रतिमा को विदाई देते समय श्रद्धालुओं में उत्साह और भावुकता दोनों देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सुनील पटेल के नेतृत्व में पूरा आयोजन संपन्न हुआ। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नगराम थाना पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। पुलिस की निगरानी में विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश से क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

बीबीएयू में ‘स्वच्छता ही सेवा-2026’ के अंतर्गत सफाई सेवकों के साथ स्वच्छता संवाद का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के दिशा-निर्देशन एवं संरक्षण में आयोजित किए जा रहे ‘स्वच्छता ही सेवा-2026’ कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को सफाई सेवकों के साथ स्वच्छता संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सफाई सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर संवाद स्थापित करना रहा।

इस अवसर पर सफाई सेवकों के साथ स्वच्छता से संबंधित विभिन्न विषयों पर संवाद किया गया तथा विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने, स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की गई। स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करते हुए



सभी से अपने कार्यस्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने तथा अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वाण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सफाई सेवकों के कार्यों एवं उनके योगदान को भी महत्वपूर्ण बताया गया तथा स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में सामूहिक सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस अवसर पर स्वच्छता प्रभारी डॉ. रवि शंकर वर्मा, विश्वविद्यालय के कर्मचारी, सफाई सेवक एवं छात्र-छात्राई उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता को अपनी दैनिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा विश्वविद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया।

प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने कराई थी पति की हत्या , चार लोग गिरफ्तार

पुलिस ने 36 घंटे में किया हत्याकांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, बाल अपचारी संरक्षण में

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर शव फेंके जाने के मामले का महज 36 घंटे में खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्याकांड में शामिल एक बाल अपचारी को भी संरक्षण में लिया है। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू और शव को ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल किया गया ई-रिक्शा बरामद किया गया है।एसीपी मोहनलालगंज राजकुमार सिंह के निर्देश में एस एस आई शववंत सिंह के नेतृत्व में एडिंट मोहनलालगंज पुलिस टीम ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर हत्याकांड का खुलासा किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने हत्या के बाद शव को लकड़ी के बाक्स में छिपाया और बाद में ई-रिक्शा में



लादकर कनकहा के पास भावाखंडा नहर पुलिया के नीचे फेंक दिया था।पुलिस के अनुसार, बीते गुरुवार को कविता देवी पत्नी रामकिशोर वाल्मीकि निवासी छन्देइयाखेड़ा, दुवगगा की तहरीर पर रामकिशोर की हत्या और शव छिपाने के संबंध में मोहनलालगंज दक्षिणी ने चार टीमों का गठन किया था।

180 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली

घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमों ने घटनास्थल से लेकर शव फेंके जाने वाले स्थान तक आने-जाने वाले मार्गों पर लगे करीब 170 से 180 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय

सूचना तंत्र और मैनुअल जांच के आधार पर पुलिस ने घटना में इस्तेमाल ई-रिक्शा की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

प्रेम संबंध में बाधा बना पति तो रची हत्या की साजिश

पुलिस पृछताछ में गिरफ्तार आरोपी सूफिया बानो ने कथित तौर पर बताया कि उसके रामकिशोर से करीब चार वर्षों से प्रेम संबंध थे और लगभग दो वर्ष पहले दोनों ने निकाह कर लिया था। इसके बाद रामकिशोर उसके साथ रहने लगा था। इसी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने चार टीमों का गठन किया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमों ने घटनास्थल से लेकर शव फेंके जाने वाले स्थान तक आने-जाने वाले मार्गों पर लगे करीब 170 से 180 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय

उर्फ वसीर अहमद के साथ मिलकर रामकिशोर की हत्या की साजिश रची।

रात में घर में घुसकर सोते समय किया हमला

पुलिस के अनुसार, बीते मंगलवार की रात सूफिया ने मुन्ना और इकबाल को फोन कर घर बुलाया और दरवाजे की चिटकनी खुली छोड़ दी। दोनों घर के अंदर पहुंचे और सो रहे रामकिशोर पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी।हत्या के बाद आरोपियों ने फर्श पर लिपाई कर कथित तौर पर खून के निशान मिटाने का प्रयास किया। इसके बाद सूफिया ने अपने करीब 16 वर्षीय बेटे को बुलाया। पुलिस के अनुसार, चारों ने शव को लकड़ी के बाक्स में रखकर बिस्तर के नीचे छिपा दिया। हत्या में प्रयुक्त चाकू को भी कपड़ों के नीचे छिपा दिया गया।एसीपी राजेश कुमार सिंह के मुताबिक, बीते मंगलवार की रात चारों ने शव को ई-रिक्शा लोडर संख्या ठ 32 ड्टड 9940 में रखा और कनकहा के पास भावाखंडा नहर पुलिया के नीचे फेंक दिया। आरोपियों ने पुलिस से बचने के लिए शव को इस तरह ठिकाने लगाने की

कोशिश की कि मृतक की पहचान न हो सके।पुलिस का कहना है कि घटना के बाद आरोपी अलग-अलग स्थानों पर छिपे हुए थे और लखनऊ से बाहर भागने की फिराक में थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपित 40 वर्षीय मो. इकबाल उर्फ वसीर अहमद निवासी तेजेखेड़ा के पीछे कलन्स्खेड़ा, थाना तालकटोरा, हाल पात करीमगंज, बालागंज, लखनऊ दुसरें 52 वर्षीय मुन्ना उर्फ मुच्छड़,निवासी महिपत मऊ मस्जिद के पास, थाना दुवगगा, लखनऊ तीसरी 35 वर्षीय सूफिया बानो,निवासी कटरा मोहल्ला, नाले के पास, थाना जिबनौर, लखनऊ,इसके अलावा एक नाबालिग को पुलिस संरक्षण में लिया गया है।मोहनलालगंज पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक चाकू आलाकल्ल और घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा बरामद किया है। इस मामले में मोहनलालगंज थाने में बीएनएस के तहत गम्भीर अपराधों में मुकदमा दर्ज कार्रवाई की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।



महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया, स्टार्टअप और युनिकॉर्न जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बेटीयां योगदान दे रही हैं और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लखनऊ उच्च के विधायक डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि आज भारत की बेटीयां विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बदलते भारत में बेटीयां मेट्रो ट्रेन चलाने से लेकर विमान उड़ाने तक की जिम्मेदारी निभा रही हैं और भारतीय वायुसेना में भी

यूपीपीएससी निःशुल्क कोचिंग से मुख्य परीक्षा में सफल हुए 74 अभ्यर्थी

लखनऊ , कैनविज टाइम्स संवाददाता। आर्थिक संसाधनों की कमी प्रतिभाशाली युवाओं की राह में बाधा न बने, इसके लिए योगी सरकार की ओर से संचालित निःशुल्क प्रशिक्षण व्यवस्था प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ा सहारा बन रही है। समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित पूर्व परीक्षा प्रशिक्षण केंद्रों और भागीदारी भवन स्थित कोचिंग से निःशुल्क प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने वाले 74 अभ्यर्थियों ने यूपीपीएससी-2025 की मुख्य परीक्षा में सफलता हासिल की है। मुख्य परीक्षा में सफल सभी अभ्यर्थी अब चयन प्रक्रिया के अगले चरण साक्षात्कार में शामिल होंगे। प्रदेश में समाज कल्याण विभाग की ओर से 08 आवासीय कोचिंग केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। अधिकतम 06 लाख रुपये वार्षिक आय सीमा वाले पात्र छात्रों को यहां आवासीय कोचिंग के साथ मेस, पुस्तकालय, इंटरनेट, टेस्ट सीरीज, नोट्स, मनोरंजन, खेलकूद और जिम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए आगे मॉक इंटरव्यू की सुविधा भी संचालित की जाती है, ताकि वे साक्षात्कार के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने सफल अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रतिभागिता युवाओं को उनकी आर्थिक परिस्थितियों की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। विभागीय केंद्रों से 74 अभ्यर्थियों की सफलता इसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि भागीदारी भवन स्थित कोचिंग के 3.5, अलीगंज स्थित आदर्श परीक्षा केंद्र के 18 और हापुड़ स्थित राजकीय आईएएस/पीसीएस कोचिंग केंद्र के 21 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा में सफल हुए हैं। तीनों केंद्रों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की सफलता को विभागीय निःशुल्क प्रशिक्षण व्यवस्था के प्रभावी परिणाम के तौर पर देखा जा रहा है।

बीबीएयू में ‘युवा संवाद’ का आयोजन, युवाओं को नवाचार एवं उद्यमिता के लिए किया प्रेरित

लखनऊ , कैनविज टाइम्स संवाददाता। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हिंदी प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित ‘सप्त दिवसीय हिन्दी कार्यशाला’ के अंतर्गत ‘युवा संवाद’ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर सहायक निदेशक, राजभाषा, बीबीएयू डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं में अपार क्षमता एवं प्रतिभा निहित है और अपनी क्षमताओं का सदुपयोग करते हुए वे जीवन में बड़े से बड़ा मुकाम हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे बात शैक्षणिक क्षेत्र की हो अथवा किसी अन्य क्षेत्र की, आज भारत का युवा वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। नवाचार एवं उद्यमिता के माध्यम से युवा निरंतर प्रगति की दिशा में अग्रसर हैं तथा विगत कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में युवाओं ने स्टार्टअप की स्थापना कर देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. श्रीवास्तव ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें केवल रोजगार की तलाश करने वाला नहीं, बल्कि रोजगार के अवसर सृजित करने वाला बनना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान, उद्यमिता एवं रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करें तथा अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करें। उन्होंने कहा कि देश के भविष्य की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है, इसलिए यह उनका दायित्व है कि वे अपने समय और सामर्थ्य का सदुपयोग करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं तथा विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रयास करें। कार्यक्रम के दौरान युवाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए एक संवादात्मक सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने मुख्य वक्ता से विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे। मुख्य वक्ता ने प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनका मार्गदर्शन किया तथा उन्हें अपने लक्ष्यों के प्रति सजग रहते हुए निरंतर सीखने, आगे बढ़ने और राष्ट्रहित में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. प्रीति राय, डॉ संध्या दीक्षित, अन्य शिक्षक, गैर शिक्षण कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

गमगीन माहौल में महान शिक्षाविद् प्रो. देवेंद्र प्रताप सिंह को अंतिम विदाई

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय और राजपिंड टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के पूर्व क्षेत्र संचालक प्रो. देवेंद्र प्रताप सिंह का गुरुवार को सायंकाल निधन हो गया। शुक्रवार को भैसाकुंड स्थित मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। गमगीन माहौल में परिजनों, शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों, संघ पदाधिकारियों और शुभचिंतकों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। उनके पुत्र एवं डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने मुखाम्नि दी। उनकी पुत्री डॉ. मांडवी सिंह भी मौजूद रहीं। प्रो. देवेंद्र प्रताप सिंह के निधन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत समेत कई प्रमुख लोगों ने शोक जताया। लाडू जी ब्रह्म दत्त शर्मा, दत्तात्रेय ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, अंडमान-निकोबार के उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा और विधायक राजेश्वर सिंह समेत कई लोगों ने प्रो. सिंह के निधन पर संवेदना व्यक्त की। अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने वालों में क्षेत्र प्रचारक अनिल, मनोजकान्त, परिवहन मंत्री दयारंशक सिंह, सहकारिता राज्यमंत्री जेपीएस राठौर, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह, बीबीएयू के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सेनी और कल्याण सिंह कैंसर संस्थान के निदेशक प्रो. एमएलबी भट्ट समेत अन्य लोग मौजूद रहे। वहीं ब्रजेश पाठक उप मुख्यमंत्री ने अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए कहा कि प्रो. सिंह ने शिक्षा, समाज और राष्ट्रहित में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से समाज ने एक सर्मापित शिक्षाविद और राष्ट्रनिष्ठ व्यक्तित्व खो दिया है। तथा डॉ. दिनेश शर्मा उप राज्यपाल अंडमान-निकोबार ने कहा कि ह्म्रो, सिंह मरे मांनदंशक और प्रेरणास्रोत रही। उन्होंने महत्वपूर्ण दायित्वों का सरलता, विनम्रता और कर्तव्यनिष्ठा से निर्वहन किया।

करीब 10 हजार रुपये बकाया मजदूरी मांगने पर विवाद, चार नामजद समेत अज्ञात लोगों पर मुकदमा विनहट , लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। विनहट थाना क्षेत्र में बकाया मजदूरी मांगना एक राजमिस्त्री को भारी पड़ गया। आरोप है कि मजदूरी मांगने पर पहले गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। अगले दिन बुलाकर उसके साथ मारपीट की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित की तहरीर पर विनहट पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी तहरीर के मुताबिक रिजवान पुत्र वकील, निवासी बबूी रोड करौंदी गोड़ा, विनहट, नसीर् फनीवर पर सोफा का कारीगर है। पीड़ित का आरोप है कि करीब दो महीने से उसकी 13,700 रुपये मजदूरी बकाया थी। शुक्रवार सुबह वह अपनी बकाया मजदूरी मांगने पहुंचा तो आरोप है कि उसकी मां-बहन को गाली दी गई और जान से मारने की धमकी दी गई। तहरीर के अनुसार इसके बाद करीब रात 10 बजे रिजवान को बबलू उर्फ साहब रशीद ने बारीकरी में लिहा बुलाया। आरोप है कि वहां पहुंचते ही बबलू के बड़े भाई ने पीछे से रिजवान पर हमला कर दिया। इसके बाद उसके साथ मौजूद अन्य लोगों ने धेरकर सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। मारपीट में रिजवान के नाक और मूंड से खून निकलने लगा। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसे हमलावरों से जान का खतरा है। तहरीर में बबलू, रशीद, गुड्डू और अशकाल समेत करीब आठ अज्ञात लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया गया है। पीड़ित की रिश्तकान्त के आधार पर विनहट पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

महिलाओं की यात्रा को सुरक्षित और आसान बनाएंगी ' 'सारथी दीदी' ', 24-7 मॉनिटरिंग करेगी योगी सरकार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । बहनों और बेटियों की यात्रा को 'सारथी दीदी' के जरिए अधिक सुरक्षित और सहज बनाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिला यात्रियों के लिए महिला चालकों की विशेष सेवा के साथ यात्रा के दौरान सुरक्षा पर 24-7 निगरानी का तंत्र विकसित किया जा रहा है। इसमें आपात स्थिति में एसओएस बटन के जरिये सहायता लेने की सुविधा होगी और जरूरत पड़ने पर पुलिस के साथ तत्काल समन्वय किया जा सकेगा। यानी सफर केवल वाहन में बैठने से लेकर गंतव्य तक पहुंचने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी यात्रा मजबूत सुरक्षा के साथ आगे बढ़ेगी। योगी सरकार इस सेवा को भारत टैक्सी मॉडल के माध्यम से शहरों से गांवों तक ले जाने की तैयारी में है।

‘सारथी दीदी’ का एक अहम पहलू महिला ड्राइवर्स को परिवहन सेवा से जोड़ना है। इसके तहत महिलाओं को ई-रिक्शा, दोपहिया और कैब चलाने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे एक ओर महिला यात्रियों को महिला चालक का

□ आपात स्थिति में एसओएस बटन के जरिये

सहायता लेने की सुविधा होगी और जरूरत पड़ने पर पुलिस के साथ तत्काल समन्वय किया जा सकेगा

विकल्प मिलेगा, वहीं दूसरी ओर ड्राइविंग को महिलाओं के लिए रोजगार के नए क्षेत्र के रूप में विकसित करने का रास्ता भी खुलेगा।

हर पल सुरक्षा की निगरानी

महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए आपातकालीन एसओएस बटन, 24x7 मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम और पुलिस सहायता समन्वय को व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाएगा। यात्रा के दौरान किसी तरह की आपात स्थिति सामने आने पर सहायता तंत्र सक्रिय करने का प्रावधान होगा। भारत टैक्सी के मौजूदा महिला-केंद्रित ‘सारथी दीदी’ योजना में एसओएस, लाइव लोकेशन ट्रैकिंग और 24x7 सहायता जैसी सुरक्षा सुविधाएं रहेंगी। इस व्यवस्था का सीधा लाभ उन परिवारों को विशेष रूप से होगा, जिनकी बेटियां

पढ़ाई, नौकरी या अन्य काम से नियमित रूप से अकेले यात्रा करती हैं। महिला चालक का विकल्प मिलने और आपात स्थिति में सहायता तंत्र उपलब्ध होने से यात्रा के दौरान सुरक्षा संबंधी चिंता कम करने की दिशा में व्यवस्था तैयार की जा रही है।

महिलाओं के लिए ड्राइविंग से रोजगार

‘सारथी दीदी’ को केवल महिला यात्रियों की सुविधा से जोड़कर नहीं देखा जा रहा है। इसका दूसरा पक्ष महिलाओं को चालक के रूप में तैयार करना है। ई-रिक्शा, टू-व्हीलर और कैब चलाने के प्रशिक्षण से महिलाओं को बड़े पैमाने पर परिवहन क्षेत्र में आर्थिक गतिविधि से जोड़ा जा रहा है। इस मॉडल में महिला केवल यात्री नहीं होगी, बल्कि सेवा देने वाली चालक भी बन सकेगी। यानी एक तरफ सुरक्षित यात्रा का विकल्प और दूसरी तरफ महिलाओं के लिए आय का अवसर, दोनों पहलू एक साथ जुड़ते हैं।

सहकारी नेटवर्क के जरिए शहर से गांव तक पहुंचेगी कैब

योगी सरकार भारत टैक्सी मॉडल को शहरों तक सीमित रखने के बजाय गांवों तक ले जाने की तैयारी में है। इसके लिए प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को जोड़कर ग्रामीण स्तर पर राइड-हेलिंग और डिलीवरी सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन की उपलब्धता स्थानीय स्तर पर बढ़ेगी। गांव से बाजार, अस्पताल, बस अड्डे, रेलवे स्टेशन या नजदीकी शहर तक आने-जाने के लिए डिजिटल माध्यम से वाहन सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में सहकारी नेटवर्क का इस्तेमाल होगा।

पैकस से मोबिलिटी तक सहकारिता का विस्तार

प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पैकस) का इस्तेमाल अब तक मुख्य रूप से ग्रामीण ऋण और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में होता रहा है। इन्हें राइड-हेलिंग और डिलीवरी सेवाओं से जोड़कर सहकारिता का यह नेटवर्क ग्रामीण मोबिलिटी और डिजिटल सेवाओं तक विस्तार पा सकता है। इसका मतलब यह होगा कि गांव में मौजूद सहकारी ढांचा केवल कृषि जरूरतों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय परिवहन और डिलीवरी जैसी सेवाओं के लिए भी आधार बनेगा।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव : डॉ. शशिकांत यादव

□ कार्यक्रम का आयोजन रज्जू भैया संस्थान स्थित आर्यभट्ट सभागार में हुआ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से शुक्रवार को ‘नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत’ और ‘विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद-2027’ के तहत मिशन मोड अभियान के अंतर्गत वि्वज प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम रज्जू भैया संस्थान स्थित आर्यभट्ट सभागार में हुआ। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं



की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद में सक्रिय भागीदारी करने तथा अपने नवोन्मेषी विचारों, रचनात्मक सोच और प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने कहा कि युवा नेतृत्व संवाद ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। उन्होंने युवाओं को नरेश से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने

‘नशामुक्त भारत अभियान’ तथा ‘विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग’ (वीबीवाईएलडी) वि्वज प्रतियोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि माई भारत पोटल के माध्यम से वि्वज प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वीबीवाईएलडी सेवाओं को अपनी प्रतिभा, नवाचार, रचनात्मक सोच और विचारों को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करता है।कार्यक्रम का संचालन आंची वर्मा और सिद्धार्थ कुमार सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सुमित सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. अजय कुमार मौर्य, डॉ. पीसी यादव, अभिषेक कुमार गर्ग, माई भारत के स्वयंसेवक सुमित सिंह, विपिन यादव, स्नेहा मिश्रा, आर्ची वर्मा, उत्कर्ष तिवारी, प्रभात तिवारी सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सड़क पर जलभराव से आवागमन बाधित, ग्रामीणों ने की स्थायी समाधान की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भेंटुआ, अमेठी। विकासखंड भेंटुआ के परशुरामपुर गांव स्थित दुबे का पुरवा में बरसात के दौरान सड़क पर जलभराव की समस्या से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर पानी भर जाने से पैदल चलना मुश्किल हो गया है, वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहनों का आवागमन भी प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीण रामभवन कश्यप ने बताया कि बारिश होते ही सड़क पर पानी जमा हो जाता है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण कई दिनों तक पानी भरा रहता है, जिससे लोगों को दैनिक कार्यों के लिए आने-जाने में कठिनाई होती है। ग्रामीणों का कहना है कि हर वर्ष बरसात में यह समस्या उत्पन्न होती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

सुरेश कश्यप, सालिकराम, आशीष, प्रताप, रामप्रकाश और राजू समेत दर्जनों ग्रामीणों ने प्रशासन से जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने की



मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि नाली निर्माण और जल निकासी की उचित व्यवस्था कराई जाए, ताकि बरसात के मौसम में लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्रधान प्रतिनिधि जगन्नाथ तिवारी ने बताया कि उन्हें समस्या की जानकारी है। उन्होंने कहा कि जलभराव से निजात दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे और जल्द ही समाधान का प्रयास किया जाएगा।

जरूरतमंदों के सहारा बने जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि



कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि (राजेश मसाला) ने क्षेत्र के विभिन्न जरूरतमंद परिवारों की आर्थिक मदद कर मानवता का परिचय दिया। भीमी निवासी स्वर्गीय हीरालाल के 22 वर्षीय पुत्र श्याम बाबू के असामयिक निधन पर हजारों को अंतिम संस्कार के लिए १10 परजनों की सहायता राशि प्रदान की गई। साथ ही तेरहवीं संस्कार के लिए आवश्यक सामग्री की किट भी उपलब्ध कराई गई। इसी क्रम में भीमी निवासी राम अचल गुप्ता के पुत्र पवन गुप्ता के हर्निया ऑपरेशन के उपचार हेतु १25 हजार की

आर्थिक सहायता दी गई। जिला पंचायत अध्यक्ष ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। वहीं महमूदपुर, ककवा निवासी पप्पू अग्रहरि की पत्नी के हृदय रोग के उपचार और प्रस्तावित बाइपास सर्जरी को देखते हुए परिवार को १10 हजार की सहायता राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर राजेश अग्रहरि ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना समाज के प्रति हमारा दायित्व है। संकट के समय किसी परिवार के साथ खड़ा होना ही सच्ची सेवा और ईमानदारी की पहचान है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा सभी मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

दीपोत्सव के साथ मनाया गया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन गुरुवार को जनपद में आशीर्वाद दिवस एवं दीपोत्सव के रूप में मनाया गया। संग्रामपुर ब्लॉक मुख्यालय पर प्रमुख प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह और एडीओ पंचायत शशिकांत सिंह की अध्यक्षता में सैकड़ों दीप जलाकर प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। इस अवसर पर जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

इसी कड़ी में भेंटुआ मंडल अध्यक्ष निमिषा त्रिपाठी के नेतृत्व में भी प्रधानमंत्री का जन्मदिन आशीर्वाद दिवस के रूप में मनाया गया। निमिषा त्रिपाठी ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं से समाज के सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है तथा देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष महात्मा प्रसाद, मंडल मंत्री निरंजन देव पांडेय, मंडल मंत्री



ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं लाभार्थी देश विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

बकाया बिजली बिल वसूली को लेकर विभाग सक्रिय, उपभोक्ताओं से किया संपर्क

अमेठी। निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विद्युत विभाग ने बकाया बिल वसूली अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में शुक्रवार को अधिशाषी अभियंता अमेठी के नेतृत्व में विभागीय टीम ने विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर बकायेदार उपभोक्ताओं से संपर्क किया।

अभियान के दौरान उपभोक्ताओं को समय से बिजली बिल जमा करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि नियमित बिल भुगतान से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में सहायता मिलती है तथा अनावश्यक कार्रवाई से भी बचा जा सकता है। विभाग ने बकाया उपभोक्ताओं से जल्द से जल्द बिल जमा करने की अपील की है। साथ ही चेतावनी दी है कि लगातार बकाया रहने पर नियमानुसार कार्रवाई भी की जा सकती है।

सेवा और संवेदना पीयू की जिम्मेदारी : प्रो. आर.के. सिंह

□ मुख्य अतिथि बृजेश सिंह ने कहा कि जनभागीदारी और युवा शक्ति से सेवा अभियान सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूती मिलती है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जौनपुर । यूपी के जौनपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिवस पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत टीबी मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। विश्वविद्यालय ने 100 क्षय रोगियों को गोद लेकर उन्हें पोषण सहयोग देने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं और स्वयंसेवकों ने 20 यूनिट



रक्तदान किया। मुख्य अतिथि बृजेश सिंह ने कहा कि जनभागीदारी और युवा शक्ति से सेवा अभियान सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूती मिलती है। विश्वविद्यालय की यह पहल सेवा को सामाजिक सहभागिता से जोड़ती है।

कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा और शोध के साथ समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए प्रतिबद्ध है। टीबी उन्मूलन के लिए उपचार के साथ पोषण, जागरूकता और सामाजिक सहयोग जरूरी है। अभियान का उद्देश्य क्षय रोगियों के प्रति

संवेदनशीलता, सम्मान और सहयोग की भावना बढ़ाना है। विशिष्ट अतिथि जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विशाल सिंह यादव ने टीबी के लक्षण, उपचार, बचाव और उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी दी। इस दौरान रोगियों को भुना चना, गुड़, मूंगफली, सोयाबीन, बोनविटा और मास्क वितरित किए गए। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत और परिचय कराया। संचालन अभिनव कीर्ति पाण्डेय ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शशिकान्त यादव ने किया।

राष्ट्रीय पोषण माह पर विशेष : योगी सरकार के प्रयासों से यूपी के नौनिहालों की बढ़ रही कद-काठी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश के नौनिहालों की सेहत और पोषण की तस्वीर में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है। प्रदेश में पांच साल से कम उम्र के बच्चों में नाटपान यानी उम्र के अनुपात में कम लंबाई की समस्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-05 (एनएफएस-05) में जहां प्रदेश में ऐसे बच्चों का प्रतिशत 39.7 था, वहीं एनएफएस-06 में यह घटकर 31.5 प्रतिशत रह गया है। यानी करीब चार वर्षों में नाटपन के मामलों में 08.2 प्रतिशत अंक की कमी दर्ज की गई है। 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिकी जोवेल ने बताया कि उत्तर प्रदेश

जैसे बड़े और विविध आबादी वाले राज्य में नाटपन में कमी का उल्लेखनीय है क्योंकि बच्चे की लंबाई में होने वाला सुधार एक दिन में नहीं आता। यह लंबे समय तक बेहतर पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं और परिवार की देखभाल का परिणाम होता है। एनएफएस-05 से एनएफएस-06 के बीच नाटपन के आंकड़ों में आई गिरावट इसलिए प्रदेश के बच्चों के स्वास्थ्य की बदलती तस्वीर का महत्वपूर्ण संकेत है। अब चुनौती इस सुधार को और गति देने तथा यह सुनिश्चित करने की है कि हर बच्चे को जीवन के शुरुआती वर्षों में पर्याप्त पोषण और स्वस्थ विकास अवसर मिले। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अभियान चलाकर गर्भवती महिलाओं को जागरूक करने के साथ उन्हे पोषण पोर्टल वितरित की जा रही है। सर्वेक्षण रिपोर्ट में 31.5 प्रतिशत का आंकड़ा

यह भी बताता है कि अभी बड़ी संख्या में बच्चे इस समस्या से प्रभावित हैं इसलिए शुरुआती वर्षों में पोषण की निगरानी, गर्भवती महिलाओं के पोषण, छह माह तक केवल स्तनपान, समय पर पूरक आहार, संक्रमण की रोकथाम तथा बच्चों की नियमित वृद्धि निगरानी पर लगातार जोर देने की जरूरत है और इस पर फोकस काम किया जा रहा है। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की बाल रोग विभाग की प्रोफेसर डॉ. शालिनी त्रिपाठी के अनुसार बच्चे के जीवन के शुरुआती 1,000 दिन उसके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। गर्भावस्था से लेकर बच्चे के दो वर्ष की उम्र तक पर्याप्त पोषण, नियमित स्वास्थ्य जांच, समय पर टीकाकरण, स्तनपान और उचित पूरक आहार पर ध्यान देने से कुपोषण की स्थिति को कम किया जा सकता है।

सीओ आवास में 15 दिनों से जलभराव, संक्रामक बीमारियों का खतरा गौरीगंज, अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद मुख्यालय स्थित एसडीएम कॉलोनी में क्षेत्राधिकारी (सीओ) आवास परिसर में पिछले करीब 15 दिनों से बारिश और गंदी नालियों का पानी जमा है। जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ने के साथ ही संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से पानी भरे रहने के बावजूद समस्या के समाधान के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। आरोप है कि संबंधित विभाग और नगर पंचायत प्रशासन इस गंभीर समस्या की अनदेखी कर रहे हैं। क्षेत्रवासियों के अनुसार जलभराव से दुर्गंध फैल रही है और आसपास रहने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो बीमारी फैलने का खतरा और बढ़ सकता है।क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल जलभराव दूर कराने और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या के समाधान के लिए कब तक प्रभावी कार्रवाई करते हैं। साइबर सेल ने टगी के 97 हजार रुपये पीड़ित के खाते में वापस कराए देवरिया, 18 सितंबर (हि.स.)। भटनी पुलिस की साइबर टीम ने टगी के शिकार व्यक्ति के 97 हजार रुपये उसके खाते में शुक्रवार को वापस कराए। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस टीम के प्रति आभार जताया। साइबर प्रभारी उपनिरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि बीती छह मार्च को भटनी थाना क्षेत्र के चौरिया निवासी बाबर अली ने पुलिस को सूचना दी कि अज्ञात साइबर टग ने धोखाधड़ी कर उनके बैंक खाते से 97 हजार रुपये निकाल लिए हैं। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए साइबर टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और टगी की धनराशि को होल्ड कराय। आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पूरी धनराशि 97 हजार रुपये पीड़ित के खाते में वापस करा दी गई। इस कार्रवाई में साइबर प्रभारी उपनिरीक्षक कमलेश कुमार, कास्टेबल ऑपरेटर रामगोपाल सिंह, कास्टेबल प्रदीप यादव और कास्टेबल चन्दन सिंह यादव शामिल रहे।

पुलिस चौकी के पास शराब की दुकान में चोरी, 2 लाख नगद और शराब ले गए चोर बिजनौर,कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर शहर कोतवाली क्षेत्र में गाँव पेदा पुलिस चौकी के पास स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान में अज्ञात चोरों ने शटर तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान से करीब दो लाख रुपये नकद और शराब लेकर फरार हो गए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो शुक्रवार को सामने आने के बाद वायरल हो रहा है। यह शराब की दुकान किरतपुर रोड स्थित आरके बैंक्वेट हॉल से लगी हुई है। दुकान अभिषेक सिंह पुत्र अरविंद कुमार निवासी ग्राम मुहम्मदपुर देवमल हैं। चोरी 15 और 16 सितंबर की रात हुई थी। सीसीटीवी फुटेज में चार-पांच चोर दुकान के पास पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। चोरों ने पहले दुकान का शटर तोड़ा और अंदर प्रवेश किया। इसके बाद बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। चोर दुकान से नकदी और शराब लेकर फरार हो गए। दुकान मालिक ने पुलिस को सूचना देकर शिकायत दर्ज कराई। कोतवाली प्रभारी अवनीत मान ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

माँ ने बेटी के जिंदा रहने की उम्मीद छोड़ी तो सहारा बना आयुष्मान कार्ड, अब रीतू की जिंदगी हो गयी खुशहाल

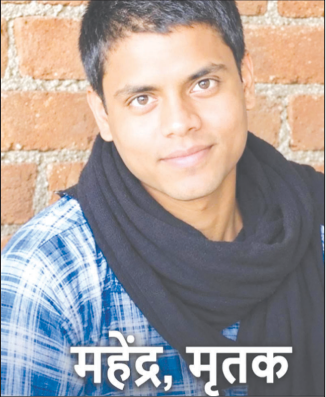
कौशांबी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश के जनपद कौशांबी में सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं ने रीतू को न केवल नया जीवन दिया बल्कि उसे एक सामान्य जीवन जीने की राह दिखायी; अब दूसरे बच्चों की तरह हंसती-खेलती है, कभी स्कूल में पढ़ाई के दौरान बेहोश होकर घर लौटने वाली रीतू आज चलती-फिरती है और नियमित रूप से पढ़ाई करती है। कौशांबी के पवेया गांव की रहने वाली रीतू के जीवन में यह बदलाव राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) और सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं की मदद से आया है। रीतू की माँ मैकी देवी बताती हैं कि उनकी बेटी को जन्म से ही दिल में छेद था। थोड़ी दूर चलने पर ही वह हांफने लगती थी। हालत इतनी गंभीर हो जाती थी कि कई बार स्कूल से उसे बेहोशी की हालत में घर लाना पड़ता था। बेटी के इलाज की चिंता पहले से थी, लेकिन पति मायादीन के निधन के बाद परिवार को सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने का संकट खड़ा हो गया। ऐसे में महंगे इलाज के बारे में सोचना भी मुश्किल था। मैकी देवी कहती हैं कि जिस बेटी के इलाज की उम्मीद उन्होंने लगभग छोड़ दी थी, आज वही बेटी स्वस्थ जीवन जी रही है। इसके लिए वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सहायता योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद देती हैं। उनके लिए सरकारी स्वास्थ्य योजनाएं उनकी बेटी के लिए नई जिंदगी की उम्मीद बनकर आईं। सीएमओ डॉ. संजय कुमार ने कहा कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक गुणवत्तापूर्ण उपचार की सुविधा पहुंचाना है।

मोबाइल चार्जिंग बनी मौत का कारण करंट लगने से युवक की मौत

कैटरिंग के काम से मनकापुर आया महेंद्र चार्जर बिजली बोर्ड में लगाते ही लगा तेज झटका

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । मनकापुर कोतवाली क्षेत्र के सुभाषनगर में शुक्रवार दोपहर मोबाइल चार्ज करना युवक के लिए जानलेवा साबित हुआ।बिजली बोर्ड में मोबा इल का चार्जर लगाते समय करंट की चपेट में आ ने से युवक की मौत हो गई।मृतक की पहचान रुदा पुर गांव निवासी हरिराम के बेटे महेंद्र के रूप में हु ई है। वह मजदूरी के सिलसिले में मनकापुर कस्बे आया था और कैटरिंग के काम में लगा था।बताया गया कि महेंद्र अपने पड़ोसी धर्मेन्द्र के साथ पील खाना में आयोजित एक तेरहवीं कार्यक्रम के लिए भोजन तैयार



महेंद्र, मृतक

करने के काम पर आया था।दोनों कै टरिंग के बर्तन लेने के लिए सुभाषनगर में मनकापुर कस्बे आया था और कैटरिंग के काम में लगा था।बताया गया कि महेंद्र अपने पड़ोसी धर्मेन्द्र के साथ पील खाना में आयोजित एक तेरहवीं कार्यक्रम के लिए भोजन तैयार

पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

मनकापुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक तेज प्रताप सिंह ने घटना की पुष्टि की।उन्होंने बताया कि अ स्पताल से मिली सूचना के आचार पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मामले की कानूनी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

झुलसकर जमीन पर गिर पड़ा

हादसा होते ही वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।लोगों ने तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनकापुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।युवक की मौत की खबर गांव और परिवार तक पहुंचते ही मातम पसर गया।परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बहन के घर जाने निकली धर्मा, सरयू में मिला शव, गोंडा की युवती की अयोध्या में हत्या



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के मधईपुर ग्राम पंचायत के गुलाबगंज की रहने वाली 24 वर्षीय धर्मा निषाद की अयोध्या में हत्या का माम ला सामने आया है। युवती का शव 16 सितंबर की सुबह करीब आठ बजे सरयू नदी में मिला। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम के बाद मामला हत्या का पाया गया है। शव मिलने के बाद उसकी पहचान कराने के लिए अयोध्या पुलिस ने करीब 24 घंटे तक प्रयास किया। सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना प्रसारित होने पर परिजन अयोध्या पहुंचे और शव की पहचान धर्मा निषाद के रूप में की। धर्मा 15 सितंबर की सुबह अयोध्या में अपनी

सोशल मीडिया से मिली शव की सूचना

16 सितंबर की सुबह सरयू नदी में युवती का शव मिलने के बाद अयोध्या पुलिस ने पहचान के प्रया स शुरू किए। सोशल मीडिया पर सूचना प्रसारित होने के बाद परिजनों को घटना की जानकारी मि ली।17 सितंबर की शाम करीब साढ़े सात बजे प रिवार के लोग देहात कोतवाली पहुंचे और धर्मा की गुमशुदगी दर्ज कराई।इसके बाद देहात कोतवा ली पुलिस परिजनों को लेकर अयोध्या पहुंची जहां शव की पहचान धर्मा निषाद के रूप में हुई।

अयोध्या में पोस्टमार्टम, गोंडा में अंतिम संस्कार

पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे अयोध्या में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।पोस्ट मार्टम के बाद शव गोंडा लाया गया।पुलिस की मौजूदगी और कड़ी सुरक्षा के बीच शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे अंतिम संस्कार कराया गया।घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हत्या के खुलासे में जुटीं तीन टीमें

सीओ नगर योगेंद्र सिंह ने बताया कि देहात कोत वाली में युवती की गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कि या गया था।शव मिलने के बाद पोस्टमार्टम कराया गया है और मामला हत्या का है।घटना का खुला सा करने के लिए तीन पुलिस टीमें लगाई गई हैं। पुलिस अयोध्या से लेकर गोंडा तक युवती के आ वागमन, संपर्कों और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।पुलिस का कहना है कि माम ला अयोध्या का है, लेकिन मृतका गोंडा की रहने वाली थी।जांच टीमें हत्या के कारण और इसमें शामिल लोगों का पता लगाने में जुटी हैं।

बह न के घर जाने के लिए घर से निकली थी।रात करी ब आठ बजे तक जब वह बहन के घर नहीं पहुंची तो बहन ने पिता सीताराम निषाद को फोन कर जानकारी

ली।पिता ने बताया कि धर्मा को उन्होंने बहन के घर के लिए भेज दिया था। इसके बाद बहन के घर नहीं पहुंची तो बहन ने पिता परिवार ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

आरोपों की पटकथा अदालत में धरी रह गई,साक्ष्य की कसौटी पर परिवाद खारिज



सच की आवाज दबती नहीं,साक्ष्य के सामने तथ्य खुद सामने आते

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । गंभीर आरोपों को लेकर अदालत की चौखट तक पहुंचा मामला आखिरकार 9 सितंबर 2026 को परिवाद खारिज होने के साथ थम गया।भवानी प्रसाद कोरी की ओर से तीन जून 2024 को प्रता प नारायण दुबे के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर विशेष न्यायाधीश,एससी/एसटी एक्ट की अदालत ने उपलब्ध साक्ष्य और परिस्थितियों का परीक्षण करने के बाद परिवाद खारिज कर दिया।हालांकि, अदालत के आदेश का विस्तृत कानूनी

आरोप गंभीर थे, लेकिन अदालत में टीके नहीं

परिवाद खारिज होने के बाद प्रताप नारायण दुबे ने इसे अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों के मामले में महत्वपूर्ण न्यायिक राहत बताया। उनका कहना है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार थे और अदालत में उपलब्ध तथ्यों एवं साक्ष्यों के परीक्षण के बाद परिवाद का खारिज होना न्यायि क प्रक्रिया में उनके पक्ष में आया महत्वपूर्ण आदेश है।दुबे ने कहा कि आरोप लगाना आसान है लेकिन न उन्हें साक्ष्य की कसौटी पर साबित करना अलग बात है।उन्होंने न्यायपालिका में विश्वास जताते हुए कहा कि किसी भी विवाद का जवाब व्यक्तिगत ट कराव से नहीं,बल्कि कानून और संवैधानिक प्रक्रि या के माध्यम से दिया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि गंभीर आरोपों की अंतिम कसौटी अदालत में उपलब्ध तथ्य और साक्ष्य ही होते हैं।उनके मुताबि क,इस मामले में न्यायालय का 9 सितंबर का आदे श इसी न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

अदालत के आदेश ने बदल दी मामले की दिशा

मामले में आरोपों और उनके आधार पर कार्रवाई की मांग से शुरू हुई कानूनी प्रक्रिया अब परिवाद खारिज होने तक पहुंच चुकी है।न्यायालय के आदे श ने फिलहाल उस शिकायत पर न्यायिक कार्यवा ही को विराम दे दिया है।हालांकि, किसी परिवाद के खारिज होने का अर्थ अपने आप यह निष्कर्ष निकालना नहीं है कि शिकायतकर्ता ने जान बुझ कर झूठे आरोप लगाए थे।इस मामले में अदालत ने उपलब्ध रिकॉर्ड और कानूनी कसौटियों के आ धार पर जो आदेश पारित किया है,उसका प्रभाव उसी आदेश की सीमाओं में समझा जाना चाहिए।

आधार आ देश की प्रति के अनुसार ही माना जाना चाहिए।

शिकायतकर्ता ने अपने प्रार्थना-पत्र में प्रताप नारा यण दुबे को वर्तमान ग्राम प्रधान का भतीजा और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली बताते हुए दुकान पर पहुंचकर धमकी देने तथा रुपये छीनने के आरो प लगाए थे। शिकायत में यह भी कहा गया था कि दुकान से घर लौटते समय रात में प्रताप नारायण दुबे और उनके साथियों ने कथित तौर पर कनपटी

पर कटटा लगाकर जान से मारने की धमकी दी। शि कायतकर्ता ने इन्हें आरोपों के आधार पर एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की थी।मामला विशेष न्यायालय में परि वाद के रूप में दर्ज हुआ और साक्ष्य के लिए पत्रा वली पर लिया गया।इसके बाद न्यायालय ने उपल ब्ध सामग्री, परिस्थितियों और साक्ष्यों का परीक्षण किया। 9 सितंबर 2026 को अदालत ने परिवाद खारिज कर दिया।

मां बेटे की हत्या और लूटपाट करने वाले पांच लोगों को आजीवन कारावास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । पुलिस महानिदेशक द्वारा चलाये जा रहे आतंरिक कर्नलिवक्षण अभियान के अन्तर्गत चिन्हित अभियोग में अमेठी पुलिस की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप लूट एवं हत्या के अभियुक्तों को न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास व डेढ़ लाख रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई गयी है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध न्यायालय में चल रहे चिन्हित अभियोग में अभियोजन अधिकारी न्यायालय पैरोकार एवं मानीटरिंग सेल की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप न्यायालय रायबरेली में हत्या और लूटपाट के मामले में थाना मोहनगंज के प्रकाश में आये छह में से पांच ओमप्रकाश उर्फ जगदीश पुत्र लाल बहादुर,कल्लू उर्फ

वीरेन्द्र पुत्र ओमप्रकाश उर्फ जगदीश, टिल्कू उर्फ समर बहादुर पुत्र लाले उर्फ रामफेर निवासीगण पूरे गद्दी अलादीन मजरे भीखीपुर थाना मोहनगंज जनपद अमेठी,आशीष उर्फ नन्हा पुत्र इन्द्रपाल वनमानुष,मुकेश उर्फ अरविन्द्र पुत्र सर्वजीत निवासीगण असनी थाना महयगंज जनपद

एक लाख रुपया अर्थदण्ड व अन्य में दस वर्ष का कठोर कारावास व पचास हजार रुपये के अर्थण्ड से दण्डित किया गया अर्थदण्ड न अदा करने पर एक वर्ष अतिरिक्त कारावास की सजा सुनायी गयी

न्यायालय द्वारा डेढ़ लाख रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई गई

उर्फ मनोज पुत्र शिवबहादुर वनमानुष निवासी अमरहा थाना डलमऊ जनपद रायबरेली की मृत्यु हो गयी। प्रश्नगत अभियोग में वादी मुकदमा बब्बन पुत्र रामलाल निवासी पूरे नारी मजरे तिलोई थाना मोहनगंज द्वारा दिनांक चौबीस मई 2017 को पौने सात बजे सुबह की तहरीरी सूचना के आधार पर कि अज्ञात बदमाशों द्वारा वादी की मां स्थामा व भाई मदन की हत्या कर देना व घर का सामान लूट ले जाने पर थाना मोहनगंज द्वारा प्रनाम अज्ञात पंजीकृत होकर विवेचक शेखर सिंह द्वारा विवेचना की गयी विवेचना के दौरान निरीक्षण घटनास्थल व संकलित साक्ष्य के आधार पर विवेचना में धाराओ में तरमीम कर प्रकाश में आये छह लोगों की गिरफ्तारी करते हुये लूट गये माल

अवैध होर्डिंगों से बदसूरत हुआ गोंडा कुंभकर्णी नींद में नगर पालिका



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । शहर को व्यवस्थित और सुंदर बनाए रखने की जिम्मेदारी संभाल रही नगर पालिका परिषद की कार्यशैली पर अवैध होर्डिंग-बैनरो ने गंभीर स वाल खड़े कर दिए हैं।शहर के प्रमुख चौराहों, सर कारी भवनों,...पलाईओवर और बिजली के खंभों तक प्रचार सामग्री का कब्जा दिखाई दे रहा है।क हीं तीन-चार होर्डिंग एक साथ लगे हैं तो कहीं एक ही बिजली के पोल पर कई पोस्टर चप्सा हैं।ऐसे में शहर का सौंदर्योकरण तो दूर,..सार्वजनिक स्थलों की मौजूदा सूरत भी लगातार बिगड़ती नजर आ रही है।नगर पालिका की व्यवस्था में होर्डिंग पोस्टर

चौराहों से सरकारी भवनों और बिजली के खंभों तक बैनर-होर्डिंगों का कब्जा,

कार्रवाई के दावे के बीच फिर लौट आते हैं अवैध विज्ञापन

और बैनर लगाने के लिए स्थान...निर्धारित हैं और उनके लिए शुल्क भी तय है।इसके बावजूद विभा गीय जानकारी के मुताबिक बड़ी संख्या में प्रचार सामग्री बिना शुल्क लगाए जाने की बात सामने आ रही है।इससे संभावित राजस्व नुकसान के सा थ निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

जेल चला जाऊंगा,जमानत नहीं कराऊंगा, मान हानि केस पर बृजभूषण के तल्ख तेवर



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । पतंजलि फूड्स लिमिटेड की ओर से पचास करोड़ रुपये के मानहानि दावे के बाद कैसरागंज के पूर्व भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने तेवर और

घी की शुद्धता पर उठाए सवाल

विवाद के केंद्र में पतंजलि का घी है। बृजभूषण ने इसके अलावा बाजार में बिकने वाले देसी घी की कीमत और शुद्धता को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने अपने यहां मौजूद गायों का उदाहरण देते हुए कहा कि शुद्ध घी की लागत काफी अधिक होती है।उन्होंने पतंजलि समेत खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।हालांकि, इन आरोपों को लेकर अंतिम निष्कर्ष संबंधित जां च और न्यायिक प्रक्रिया से ही तय होगा।पूर्व सांस द ने पतंजलि के पुराने विवादों और खाद्य सुरक्षा से जुड़े मामलों का हवाला देते हुए कंपनी पर भी सवाल खड़े किए।पिथौरागढ़ में पतंजलि के घी से जुड़े खाद्य सुरक्षा मामले में कार्रवाई और जुर्माने की रिपोर्ट पहले सामने आ चुकी है।

हाईकोर्ट में पहुंची कानूनी लड़ाई

मामला अब मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में है। 15 सितंबर की सुनवाई में बृजभूषण की ओर से अधिवक्ता ने वकालतनामा दाखिल कर जवाब देने के लिए सम य मांगा था।रिपोर्टों के मुताबिक अदालत ने अग ली सुनवाई 18 सितंबर के लिए तय की।मानहानि के दावे और बृजभूषण के बयानों ने इस विवाद को महज बयानबाजी से निकालकर अदालत की चौखट तक पहुंचा दिया है।अब दोनों पक्षों के दावों और साक्ष्यों की असली कसौटी न्यायिक प्रक्रिया में होगी।

तल्ख कर लिए हैं।गोंडा में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यदि अदालत उन्हें जेल भेजती है तो वह जेल जाने को तैयार हैं और जमानत नहीं कराएंगे। उनका कहना था कि उन्हें अदालत और संविधान पर

आदेश लखनऊ का, टिकाना गोंडा, एआरओ शिव प्रकाश की कार्यमुक्ति विभाग की चुप्पी सवालों में



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा - जिला पूर्ति कार्यालय में क्षेत्रीय खाद्य अधि कारी (एआरओ) शिव प्रकाश की तैनाती को लेकर र विभागीय कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि छह वर्ष से अधिक समय से गोंडा में तैनात शिव प्रकाश का जनहित में लखनऊ स्थानां तरण होने के बावजूद करीब तीन....माह बाद भी उन्हें कार्यमुक्त नहीं किया गया है।...ऐसे में सवाल उठ रहा है कि स्थानांतरण आदेश के बाद भी आ खिर उन्हें गोंडा से जाने से रोकने की वजह क्या है....? आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश, जवाहर भवन लखनऊ के पत्रांक

तबादला आदेश के तीन माह बाद भी गोंडा में जमे एआरओ शिव प्रकाश, आखिर किसके इशारे पर ?

डीओ लेटर के सहारे आदेश पर अमल टला,

विभागीय कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल

2329 आ/पू/अधि/स्था/क्षे/खा/अ-29/2025,दिनांक 15 जून 2026 के तहत एआरओ शिव प्रकाश का गोंडा से लखनऊ स्थानांतरण किया गया था।

अंबेडकर चौराहे से मेडिकल कॉलेज तक होर्डिंगों का जाल

गुरु नानक चौराहा,जिला महिला अस्पताल,गोंडा मेडिकल कॉलेज,अंबेडकर चौराहा,झूलेलाल चौरा हा और आईटीआई चौराहा समेत कई प्रमुख स्था न प्रचार सामग्री से पटे दिखाई दे रहे हैं। सरकारी भवनों और पलाईओवर के आसपास भी होर्डिंग-बैनर लगे हैं। बिजली के खंभों पर बाइक-स्कूटर किराये और नौकरी से संबंधित पोस्टरों की भरमार है।

दीवारों तक पहुंचा पोस्टरों का कब्जा

अवैध प्रचार सामग्री का दायरा चौराहों तक सीमित न नहीं है। जर्जर भवनों और कॉलोनियों की दीवार रों को भी पोस्टर-बैनरों से पाटा जा रहा है।सवाल यह है कि जब नगर पालिका ने विज्ञापन के लिए स्थान और शुल्क की व्यवस्था तय कर रखी है,तो फिर शहर के इतने बड़े हिस्से में बिना अनुमति प्र चार सामग्री पहुंच कैसे रही है...?

कार्रवाई होती है तो फिर लौट आते हैं होर्डिंग

अवैध होर्डिंगों पर कार्रवाई के दावे समय-समय पर सामने आते रहे हैं, लेकिन शहर की मौजूदा तस्वीर कार्रवाई की निरंतरता पर सवाल खड़े करती है। यदि अभियान चलाकर होर्डिंग हटाए जाते हैं तो कुछ समय बाद वही स्थान फिर प्रचार सामग्री से भर जाने की स्थिति निगरानी व्यवस्था की प्रभाव शीलता पर सवाल खड़े करती है।

राजस्व का नुकसान, निगरानी पर सवाल

नगर पालिका वैध होर्डिंगों से शुल्क वसूलती है। ऐसे में बिना शुल्क प्रचार सामग्री लगाए जाने की स्थिति में राजस्व नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।विभागीय स्तर पर मिली भगत के आरोप भी लगाए जा रहे हैं,हालांकि इन की स्वतंत्र पुष्टि कैनविज टाइम्स नहीं करता है।इस लिए निष्पक्ष जांच से ही स्पष्ट होगा कि मामला के वल निगरानी में लापरवाही का है या किसी स्तर प र संरक्षण की भी भूमिका है।सिटी मजिस्ट्रेट ने ब ताया कि कुछ चौराहों को छोड़कर बड़ी संख्या में स्थानों पर बिना शुल्क होर्डिंग लगाए जाने की जा नकारी है।अवधि समाप्त होने पर होर्डिंग हटाए जाते हैं।उन्होंने कहा कि अवैध होर्डिंगों के खिला फ नगर पालिका परिषद जल्द अभियान चलाएगी ।

आरोपों की पटकथा अदालत में धरी रह गई,साक्ष्य की कसौटी पर परिवाद खारिज

सच की आवाज दबती नहीं,साक्ष्य के सामने तथ्य खुद सामने आते

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । गंभीर आरोपों को लेकर अदालत की चौखट तक पहुंचा मामला आखिरकार 9 सितंबर 2026 को परिवाद खारिज होने के साथ थम गया।भवानी प्रसाद कोरी की ओर से तीन जून 2024 को प्रता प नारायण दुबे के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर विशेष न्यायाधीश,एससी/एसटी एक्ट की अदालत ने उपलब्ध साक्ष्य और परिस्थितियों का परीक्षण करने के बाद परिवाद खारिज कर दिया।हालांकि, अदालत के आदेश का विस्तृत कानूनी

आरोप गंभीर थे, लेकिन अदालत में टीके नहीं

परिवाद खारिज होने के बाद प्रताप नारायण दुबे ने इसे अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों के मामले में महत्वपूर्ण न्यायिक राहत बताया। उनका कहना है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार थे और अदालत में उपलब्ध तथ्यों एवं साक्ष्यों के परीक्षण के बाद परिवाद का खारिज होना न्यायि क प्रक्रिया में उनके पक्ष में आया महत्वपूर्ण आदेश है।दुबे ने कहा कि आरोप लगाना आसान है लेकिन न उन्हें साक्ष्य की कसौटी पर साबित करना अलग बात है।उन्होंने न्यायपालिका में विश्वास जताते हुए कहा कि किसी भी विवाद का जवाब व्यक्तिगत ट कराव से नहीं,बल्कि कानून और संवैधानिक प्रक्रि या के माध्यम से दिया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि गंभीर आरोपों की अंतिम कसौटी अदालत में उपलब्ध तथ्य और साक्ष्य ही होते हैं।उनके मुताबि क,इस मामले में न्यायालय का 9 सितंबर का आदे श इसी न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

अदालत के आदेश ने बदल दी मामले की दिशा

मामले में आरोपों और उनके आधार पर कार्रवाई की मांग से शुरू हुई कानूनी प्रक्रिया अब परिवाद खारिज होने तक पहुंच चुकी है।न्यायालय के आदे श ने फिलहाल उस शिकायत पर न्यायिक कार्यवा ही को विराम दे दिया है।हालांकि, किसी परिवाद के खारिज होने का अर्थ अपने आप यह निष्कर्ष निकालना नहीं है कि शिकायतकर्ता ने जान बुझ कर झूठे आरोप लगाए थे।इस मामले में अदालत ने उपलब्ध रिकॉर्ड और कानूनी कसौटियों के आ धार पर जो आदेश पारित किया है,उसका प्रभाव उसी आदेश की सीमाओं में समझा जाना चाहिए।

आधार आ देश की प्रति के अनुसार ही माना जाना चाहिए।

शिकायतकर्ता ने अपने प्रार्थना-पत्र में प्रताप नारा यण दुबे को वर्तमान ग्राम प्रधान का भतीजा और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली बताते हुए दुकान पर पहुंचकर धमकी देने तथा रुपये छीनने के आरो प लगाए थे। शिकायत में यह भी कहा गया था कि दुकान से घर लौटते समय रात में प्रताप नारायण दुबे और उनके साथियों ने कथित तौर पर कनपटी

न्यायालय द्वारा डेढ़ लाख रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई गई

उर्फ मनोज पुत्र शिवबहादुर वनमानुष निवासी अमरहा थाना डलमऊ जनपद रायबरेली की मृत्यु हो गयी। प्रश्नगत अभियोग में वादी मुकदमा बब्बन पुत्र रामलाल निवासी पूरे नारी मजरे तिलोई थाना मोहनगंज द्वारा दिनांक चौबीस मई 2017 को पौने सात बजे सुबह की तहरीरी सूचना के आधार पर कि अज्ञात बदमाशों द्वारा वादी की मां स्थामा व भाई मदन की हत्या कर देना व घर का सामान लूट ले जाने पर थाना मोहनगंज द्वारा प्रनाम अज्ञात पंजीकृत होकर विवेचक शेखर सिंह द्वारा विवेचना की गयी विवेचना के दौरान निरीक्षण घटनास्थल व संकलित साक्ष्य के आधार पर विवेचना में धाराओ में तरमीम कर प्रकाश में आये छह लोगों की गिरफ्तारी करते हुये लूट गये माल

उर्फ नमोज पुत्र शिवबहादुर वनमानुष निवासी अमरहा थाना डलमऊ जनपद रायबरेली की मृत्यु हो गयी। प्रश्नगत अभियोग में वादी मुकदमा बब्बन पुत्र रामलाल निवासी पूरे नारी मजरे तिलोई थाना मोहनगंज द्वारा दिनांक चौबीस मई 2017 को पौने सात बजे सुबह की तहरीरी सूचना के आधार पर कि अज्ञात बदमाशों द्वारा वादी की मां स्थामा व भाई मदन की हत्या कर देना व घर का सामान लूट ले जाने पर थाना मोहनगंज द्वारा प्रनाम अज्ञात पंजीकृत होकर विवेचक शेखर सिंह द्वारा विवेचना की गयी विवेचना के दौरान निरीक्षण घटनास्थल व संकलित साक्ष्य के आधार पर विवेचना में धाराओ में तरमीम कर प्रकाश में आये छह लोगों की गिरफ्तारी करते हुये लूट गये माल

वन मंत्री से मिले प्रधान, मालिकाना हक को लेकर सौंपा झापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। विकासखंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत गभिया सहराई के प्रधान प्रशासक अजय वैद्य के नेतृत्व में ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग अरुण कुमार सक्सेना से भेंट कर अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा।प्रधान अजय वैद्य ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि गभिया सहराई में हिंदू बंगाली विस्थापित परिवारों को सरकार द्वारा पुनर्वास के तहत बसाया गया था। तत्कालीन सरकारों द्वारा बसाए गए इन परिवारों को खेती और निवास के लिए भूमि आवंटित की गई थी। वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा ऐसे विस्थापित परिवारों को मालिकाना हक श्रेणी-क का लाभ दिया जा रहा है, जो एक सराहनीय कदम है।लेकिन दुर्भाग्यवश गभिया सहराई के कई परिवार आज भी इस लाभ से वंचित रह गए हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि उनकी भूमि वर्तमान में भी वन विभाग के रिकॉर्ड में

पुरेना मोड़ से सेल्हा तक जाने वाला रास्ता हुआ खस्ताहाल, प्रधान ने पीडब्ल्यूडी से बनवाने की मांग जल्द समस्या का नहीं हुआ समाधान होगा आंदलन

पूरनपुर। विकासखंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत पुरेना तालुका महाराजपुर मोड़ से सेल्हा तक जाने वाले संपर्क मार्ग का हाल बेहद खस्ताहाल हो गया है। सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। बारिश के बाद स्थिति और भी बदतर हो गई है। गड्ढों में पानी भर जाने से राहगीरों को निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दो पहिया वाहन चालक आए दिन फिसलकर चोटील हो रहे हैं। स्कूली बच्चों और किसानों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह मार्ग कई गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ता है, जिससे सैकड़ों ग्रामीण रोजाना आवागमन करते हैं। ग्राम प्रशासन प्रशासक रामप्रसाद राय ने बताया कि कई बार शिकायत के बावजूद इस मार्ग की मरम्मत नहीं कराई गई है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी से इस जर्जर सड़क का जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराने की मांग की है, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिल सके और हादसों से बचा जा सके।

व्यापारियों ने केक काटकर मनाया पीएम मोदी का जन्मदिन

पूरनपुर। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन हार्शोल्लास के साथ मनाया गया कार्यक्रम जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित हुआ इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी और संगठन के पदाधिकारी शामिल हुए कार्यक्रम में व्यापारियों ने केक काटकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की इस दौरान व्यापारियों ने देश और व्यापार जगत से जुड़े विकास कार्यों को लेकर अपने विचार भी रखे संगठन की ओर से कार्यक्रम में पहुंचे व्यापारियों का स्वागत किया गया इस मौके पर नगर संरक्षक महेंद्र मिश्रा, नगर अध्यक्ष नितिश अग्रवाल, महामंत्री विकास गुप्ता, युवा नगर अध्यक्ष संजीव गुप्ता और महामंत्री सुभाष गुप्ता मौजूद रहे इसके अलावा रामप्राण पांडेय, चेतन शर्मा, रमेश वर्मा, सुधीर अग्रवाल, विशाल वर्मा, अनुज गुप्ता, अरविंद वर्मा, शिवम गुप्ता, शशांक मिश्रा, आशीष गुप्ता, राहुल गुप्ता, एडवोकेट विभूवन शर्मा, नकुल पांडेय, डॉ. आदर्श दीक्षित, अशु गुप्ता, विपिन पांडेय, दीपक कुमार, रितेश मिश्रा और अनादि मिश्रा समेत कई व्यापारी नेता मौजूद रहे।

उत्सव की आड़ में शोर का आतंक, हाई-वाइब्रेशन डीजे और चुभती रोशनी के खिलाफ मुहिम तेज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। त्योहार खुशियों के लिए होते हैं, लेकिन जब खुशी का शोर दूसरों की परेशानी बन जाए तो सवाल उठना लाजिमी है। धार्मिक महोत्सवों और वैवाहिक आयोजनों में बढ़ते हाई-बेस, हाई-वाइब्रेशन डीजे और तीक्ष्ण रोशनी को लेकर सुल्तानपुर में अब आवाज तेज होने लगी है। पर सुल्तानपुर फाउंडेशन ने इसे लेकर मुहिम छेड़ दी है, जिसे सोशल मीडिया पर व्यापक समर्थन मिलने का दावा किया जा रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कराए गए ऑपिनियन पोल में 85 प्रतिशत से अधिक नागरिकों ने हाई-वाइब्रेशन बीट और अत्यधिक तेज ध्वनि पर नियंत्रण की मांग का समर्थन किया। मुहिम में धार्मिक आयोजनों पर रोक की बात नहीं, बल्कि नियमों के दायरे में सीमित ध्वनि, सुरक्षित प्रकाश और अनुशासित आयोजन की मांग की जा रही है। भक्ति के नाम पर बेस की प्रतिस्पर्धा पर सवाल



दर्ज है। वन विभाग में दर्ज होने के कारण राजस्व विभाग द्वारा उन्हें मालिकाना हक नहीं दिया जा रहा है, जबकि वे दशकों से उसी भूमि पर काबिज हैं और खेती कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।ग्राम प्रधान

ने वन मंत्री से अनुरोध किया कि वंचित परिवारों की भूमि को वन विभाग के अधिलेखों से निरस्त कर राजस्व विभाग में दर्ज कराया जाए, ताकि उन्हें भी मालिकाना हक श्रेणी-क का लाभ मिल

सके। उन्होंने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो कई गरीब परिवार बेघर हो जाएंगे। वन मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

जिले में विभिन्न स्थानों आयोजित हुआ आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को ‘विकसित भारत-2047’ के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से जनपद में आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले ‘सेवा संकल्प अभियान’ के शुभारम्भ अवसर पर वृहस्पतिवार को जनपद के विभिन्न स्थानों मा. जनप्रतिनिधियों की गरीमामयी उपस्थिति में ‘‘आशीर्वाद का दिया’’ अन्तर्गत दीपोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर वृहस्पतिवार को सायं उत्थान ऑडिटोरियम में विधायक सदर श्रीमती अनुष्मा जायसवाल, शहीद स्मारक स्थल पार्क में एमएलसी डा. प्रज्ञा त्रिपाठी, पुलिस लाइन में अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक डा. जितेन्द्र त्रिपाठी, मेडिकल कॉलेज में भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय व



कान्हा गौशाला में पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड की गरिमामयी उपस्थिति में ‘‘आशीर्वाद का दिया’’ कार्यक्रम अन्तर्गत दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इसी प्रकार जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दुबे, उप जिलाधिकारी सदर अमन देयोग, डिप्टी कलेक्टर अमिता यादव व नीतू सहित अन्य अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर स्थित त्रिमूर्ति स्थल

पहुंचकर ‘‘आशीर्वाद का दिया’’ कार्यक्रम अन्तर्गत दीप प्रज्ज्वलित किया।

जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी ने बताया कि विकास खण्ड अन्तर्गत निर्मित अन्नपूर्णा भवनों एवं उचित दर विक्रेताओं द्वारा भवनों एवं दुकानों को दीपमाला से प्रज्ज्वलित किया गया, जिसमें जनपद वासियों ने बड़-चढ़कर प्रतिभाग किया। उचित दर विक्रेताओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात

भूकम्प एवं अग्निकांड सुरक्षा पर माँक एक्सरसाइज का केडीसी में हुआ आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । भूकम्प व अग्निकांड जैसी आपदाओं के दौरान बचाव एवं राहत कार्यों के संचालन विषय पर जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण द्वारा स्व. ठाकुर हुकुम सिंह किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बहराइच में राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में भूकम्प एवं अग्नि सुरक्षा पर माँक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। जिसमें आपदा परिदृश्य के रूप में केडीसी में लगभग दोपहर 11:10 पर अचानक भूकम्प के झटके महसूस किये गये, जिससे मौजूद छात्र छात्राओं व अध्यापक घबरा गये किन्तु इस स्थिति में उन्होंने संयम से काम लेते हुये विद्यालय भवन से पंक्तिबद्ध तरीके से निकल कर बाहर मैदान में एकत्र हो गये। इसी दौरान विद्यालय भवन की दूसरी मंजिल में आग भी लग गयी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यह सूचना जैसे ही जिला कंट्रोल रूम/इमरजेंसी ऑपरेशन सेन्टर को मिली, सूचना प्राप्त होते ही



वायरलेस के माध्यम से सूचना को अधिकारियों को प्रसारित किया गया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही आईआरएस सिस्टम से अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार ईसीडेन्ट कमाण्डर के रूप में एन.डी.आर.एफ. व अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों को विद्यालय भवन में फंसे व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालने हेतु निर्देश दिये गये। उपस्थित अधिकारी घटना स्थल की ओर रवाना हो गये। इन्सीडेन्ट कमाण्डर से निर्देश प्राप्त होते ही घटना स्थल पर एन.डी.आर.एफ., अग्निशमन व पुलिस विभाग की टीम तथा आपदा प्रबन्धन में दक्ष आपदा मित्र, एनसीसी, एनएसएस, चिकित्सा दल मय एम्बुलेन्स बचाव कार्य हेतु पहुंच गये। खोज एवं बचाव

में लगे हुये बचाव दलों ने तत्परता से केडीसी विद्यालय में फंसे हुये व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला। जो व्यक्ति घटना में घायल हुये उनका मेडिकल टीम ने घटना स्थल पर ही प्राथमिक उपचार किया एवं अधिक घायल व्यक्तियों को पास की सी.एच.सी. में एम्बुलेन्स के द्वारा रेफर किया। जहाँ मौजूद डॉक्टर की टीम ने घायलो को उपचार देना शुरू किया। इसी प्रकार सर्वोदय इंटर कॉलेज मिर्हीपुरवा, हुकुम सिंह इंटर कॉलेज कैसरगंज तथा पं. अशोक मिश्रा स्मारक महाविद्यालय खुटेहना पयागपुर में भूकंप एवं अग्नि सुरक्षा अभ्यास तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रमपुरवा महसी एवं ठाकुर हुकुम सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कैसरगंज में भूकम्प की स्थिति में खुले स्थान पर फील्ड अस्पताल की स्थापना तथा श्रावस्ती सहकारी चीनी मिल नानपारा में औद्योगिक (रासायनिक) हादसों और आगजनी के सम्बन्ध में सम्बन्धित उप जिलाधिकारियों के कुशलमार्गदर्शन में सफलतापूर्वक माँक अभ्यास आयोजित किया गया।

एफपीओ सीईओ ने कृषि निदेशक से की मुलाकात गोंडा कैनविज टाइम्स संवाददाता। किसानों को समय पर खाद, बीज और गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने को लेकर लखनऊ में चर्चा हुई। बेलसर ब्लॉक के लोवा टेपरा स्थित अथरिष्ट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के सीईओ कुलदीप मिश्रा ने कृषि निदेशक उत्तर प्रदेश त्रयम्बक मणि त्रिपाठी से मुलाकात की। इस दौरान उर्वरक एवं बीज वितरण व्यवस्था को प्रभावी बनाने और एफपीओ के माध्यम से किसानों तक बेहतर संसाधन पहुंचाने पर विचार- विमर्श हुआ। कृषि उत्पादन बढ़ाने, आधुनिक तकनीक अपनाने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए विभागीय समन्वय मजबूत करने पर भी चर्चा की गई।

राजकीय आईटीआई में आयोजित हुआ कैरियर काउन्सिलिंग कार्यक्रम बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को ‘विकसित भारत-2047’ के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से जनपद में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित हो रहे सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम के तहत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बहराइच के परिसर में कैरियर काउन्सिलिंग सत्र का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने काउन्सिलिंग सत्र का का शुभारम्भ करते प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का आहवान किया कि विषय विशेषज्ञों द्वारा दिये गये सुझावों पर अमल करते हुए अपनी शैक्षिक योग्यता के अनुसार बेहतर से बेहतर विकल्प का चुनाव कर अपने जीवन में अपेक्षित सफलता प्राप्त करें। विधायक श्री वर्मा ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को सुझाव दिया कि बेहतर भविष्य के लिए बड़ा से बड़ा से लक्ष्य निर्धारित कर उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए तन-मन के साथ एकाग्रचित होकर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आप चाहें सेवा क्षेत्र को चुने अथवा स्वरोजगार को, आपका लक्ष्य सदैव शीर्ष पर पहुंचना होना चाहिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं का आहवान किया अलग अलग क्षेत्र में प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले महापुरुषों से प्रेरणा लेकर कर उस लक्ष्य तक अपने जीवन में मनवाहा मुकाम हासिल करें। श्री वर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्षों एवं राज्य सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में युवा, महिला, किसान एवं वंचित वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेकों योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने छात्र-छात्राओं का आहवान किया कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाकर राष्ट्र निर्माण तथा विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को साकार करने का संकल्प लें। क्योंकि आज के युवा ही कल का भविष्य हैं। विधायक श्री वर्मा ने कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कैरियर काउन्सिलिंग सत्र को सम्बोधित करते हुए विषय विशेषज्ञ अभिषेक सिंह, जिला सेवायोजन अधिकारी संजय कुमार, प्रधानाचार्या स्मृति शर्मा, प्रबन्धक कोशल विकास मिशन रवि कुमार पाठक सहित अन्य द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। इस अवसर पर विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान नहर में डूबा युवक, पुलिस व्यवस्था पर उठे सवाल पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। गणेश चतुर्थी की प्रथम शोभायात्रा के दौरान कलीनगर पुल के पास हरदोई नहर ब्रांच में गणेश प्रतिमा विसर्जन करते समय एक युवक डूब गया हादसे में उसकी मौत हो गई घटना के बाद शोभायात्रा में शामिल लोगों में अफरा-तफरी मच गई और खुशियां मातम में बदल गई मृतक की पहचान संगमसंख्याधर पुत्र जुगुनू, निवासी ग्राम माथौटांडा के रूप में हुई है बताया गया कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान युवक नहर में उतरने के बाद गहरे पानी में डूब गया हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने युवक की तलाश शुरू की घटना की सूचना मिलने पर कलीनगर एसडीएम प्रमेश कुमार, माधौटांडा थाना प्रभारी अशोक पाल और पुलिस टीम मौके पर पहुंची युवक की तलाश के लिए गोताखोरों के साथ एसडीआरएफ टीम को भी बुलाया गया हादसे के बाद प्रतिमा विसर्जन के दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे हैं लोगों का कहना है कि नहर में विसर्जन के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम और निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए थी यदि मौके पर पहले से पर्याप्त पुलिस बल, बैरिकेडिंग और बचाव के इंतजाम होते तो हादसे को टालने की संभावना हो सकती थी हालांकि सुरक्षा व्यवस्था में किसी स्तर पर चूक हुई या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया शोभायात्रा में शामिल लोगों में भी शोक की लहर दौड़ गई पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

यूजीसी व्यवस्था में बदलाव के विरोध में प्रदर्शन, आरक्षण में संशोधन की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जयसिंहपुर/सुल्तानपुर। यूजीसी की प्रस्तावित नई नियामक व्यवस्था समेत उच्च शिक्षा और आरक्षण से जुड़े मुद्दों को लेकर शुक्रवार को परशुराम युवा वालिनी और करणी सेना के संयुक्त बैनर तले पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने बरोसा चौक पर धरना-नींद या शांतिपूर्ण जीवन का अधिकार भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अधिकवक्ताओं ने कहा नियमों का पालन हो सामाजिक संस्थाओं से जुड़े अधिकवक्ताओं ने भी अभियान का समर्थन करते हुए प्रशासन से ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों और न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि नियमों का पालन नहीं हुआ तो जनहित के मुद्दे को कानूनी स्तर पर उठाने के विकल्प पर भी विचार किया जा सकता है।



को भेजे जाने का उल्लेख करते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस पर व्यापक चर्चा के बाद ही आगे बढ़ा जाना चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अमित कुमार तिवारी ने कहा कि संगठन यूजीसी से संबंधित प्रस्तावित बदलाव को लेकर अपनी आपत्तियां सरकार तक पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा की नियामक व्यवस्था में बड़े बदलाव से पहले उसके प्रभाव, विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता और विभिन्न सामाजिक वर्गों के हितों पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रान्त मिश्रा ने कहा कि प्रदर्शन का उद्देश्य लोकतांत्रिक

विमर्श होना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि आरक्षण से जुड़े किसी भी बदलाव पर संबंधित पक्षों से चर्चा कर स्पष्ट नीति बनाई जाए। करणी सेना जिलाध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा कि सर्वगं समाज की ओर से शिक्षा और आरक्षण व्यवस्था को लेकर अपनी चिंताएं सरकार के समक्ष रखी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संगठन चाहता है कि नीतियां बनाते समय सभी सामाजिक वर्गों के हितों और संवैधानिक प्रावधानों को ध्यान में रखा जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी वर्ग के अधिकारों का विरोध करना नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा और आरक्षण व्यवस्था से जुड़े प्रावधानों पर व्यापक विमर्श करना है। ज्ञापन सौंपने के बाद प्रदर्शन समाप्त हो गया। इस दौरान दोनों संगठनों के पदाधिकारी अनुल मिश्रा, अभिषेक सिंह (अध्यक्ष), सूरज सिंह, आशुतोष सिंह, अनिरुद्ध दूबे, अरविन्द राय, संतोष, वनश्याम तिवारी, सूरज शनि अरुण उपाध्याय, सुशील सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

यूपीआई पर शुल्क, नोटबंदी के बाद फिर एक धोखा

दस साल पहले 2016 में नरेन्द्र मोदी ने नोटबंदी का जो फैसला लिया था, जो आम जनता के साथ कितना बड़ा धोखा था, यह अब और खुलकर नजर आ रहा है। नोटबंदी के फैसले के पीछे आतंकवाद की कमर तोड़ने और काला धन वापस लाने के जो दावे किए गए थे, वो तो पूरी तरह फेल हो ही गए, कैशलेस यानी नकदी रहित अर्थव्यवस्था भी ढकोसला ही साबित हुई, क्योंकि जानकारों का मानना है कि इस समय बाजार में नकदी प्रवाह पहले से ढाई गुना ज्यादा है। यानी लोग यूपीआई से ज्यादा नकदी लेन-देन पर ही भरोसा कर रहे हैं। और जो लोग यूपीआई को सुविधाजनक मानते हुए इसका अधिक इस्तेमाल करने लगे हैं, अब उनके भी बुरे दिन आ चुके हैं। मोदी सरकार ने घोषणा की है कि यूपीआई से एक बार में 2000 रुपये से ज्यादा की खरीदारी को तो 0.4 प्रतिशत शुल्क लेगा। यानी यदि आपने किसी व्यापारी को 5000 रुपये का यूपीआई भुगतान किया तो उस पर 40 रुपये का शुल्क लगेगा। बेशक अभी यह शुल्क ग्राहक को नहीं देना पड़ेगा और सरकार यही तर्क अपने फैसले के बचाव में दे रही है। लेकिन साधारण समझ की बात है कि इस शुल्क को व्यापारी किसी न किसी तरह से ग्राहकों से ही वसूलेंगे, चाहे कीमतों में वृद्धि करके या किसी और सेवा के नाम पर। इसलिए मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर के रूप में लागू जाने वाले इस शुल्क की घोषणा को कांग्रेस ने श्द ग्रेट यूपीआई लूटश् करार दिया है, जो गलत नहीं है। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि नोटबंदी के समय सरकार ने डिजिटल भुगतान और कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की जो बात कही थी तो अब उसी डिजिटल भुगतान व्यवस्था पर शुल्क क्यों लगाया जा रहा है। यह तो कैशलेस अर्थव्यवस्था को निरुसाह करने का कदम है। सवाल यह भी है कि यह फैसला बजट सत्र में क्यों नहीं लाया गया, जब वित्त मंत्री ने संसद में बजट पेश किया था, तब भी इस संबंध में चर्चा हो सकती थी। मुमकिन है विपक्ष इस बारे में कोई बेहतर सलह या सुझाव मोदी सरकार को देता। लेकिन हमेशा की तरह बिना किसी चर्चा या विमर्श के अब यूपीआई पर टैक्स लगाया जा रहा है। पाठक जानते हैं कि यूपीआई भारतीय संस्थानों और बैंकों द्वारा ऑनलाइन लेन-देन के लिए बनाई गई भुगतान व्यवस्था है। वहीं मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर वह शुल्क है, जो व्यापारी डिजिटल भुगतान व्यवस्था पूरी करने के लिए बैंकों और पेमेंट प्रोवाइडर्स को देता है। अब तक इस एमडीआर पर कोई शुल्क नहीं लगता था। लेकिन नए यूपीआई नियम के बाद व्यक्ति-से-व्यापारी (पर्सन टू मर्चेंट) यूपीआई लेन-देन पर 2,000 रूपये से ऊपर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लेगा। गौर करने वाली बात यह है कि यूपीआई जिन कंपनियों के जरिए होता रहा है, उसमें अमेरिकी कंपनियां लंबे समय से भारत की शुल्क रहित एमडीआर नीति का विरोध करती रही हैं। फोन पे, गूगल पे जैसी कंपनियां चाहती रही हैं कि एमडीआर पर शुल्क लगे। जानकारी के लिए बता दें कि भारत में पेमेंट ऐप्स में फोन पे की बाजार में हिस्सेदारी 48.9 प्रतिशत है, गूगल पे की 37.7, पेटीएम की 8.3 और बाकी 3.6 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। फोन पे में 72 प्रतिशत हिस्सेदारी अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट की है, वहीं गूगल पे तो पूरी तरह अमेरिका का ही है। अब भारत में इन कंपनियों को एमडीआर में शुल्क लगने से फायदा होगा, उनकी कमाई तो बढ़ेगी ही, उनके शेयरों की कीमतों में भी उछाल आ सकता है। कांग्रेस का कहना है कि भारत में जो लोग पहले से ही महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे हैं, उन्हें अब अमेरिकी कंपनियों के फायदे के लिए और आर्थिक चोट पहुंचाई जा रही है। बता दें कि नोटबंदी के फौरन बाद पेटीएम के लेन-देन में एकदम से 435 प्रतिशत का उछाल देखा गया था, आठ नवंबर को नोटबंदी हुई थी और 10 नवंबर को पेटीएम ने नरेन्द्र मोदी की तस्वीर के साथ उन्हें साहसिक फैसले की बधाई देते हुए अखबारों में पूरे पन्ने का विज्ञापन दिया था।

यूपीआई सरचार्ज और झूठ की गूंज वाली राजनीति

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की 10 वर्षों की गौरवमयी यात्रा और अभूतपूर्व सफलता के बाद केंद्र सरकार ने आगामी 15 अक्टूबर 2026 से इसके माध्यम से दो हजार रुपए से अधिक के कारोबारी भुगतान पर कारोबारियों के लिए 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने का निर्णय लिया है। झूठ की गूंज एक्सप्रेस चलाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन इस निर्णय के लिए सरकार पर अमेरिकी दबाव में झुकने, घुटने टेकने जैसे आरोप लगा रहा है। विपक्ष सोशल मीडिया पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क को मोदी टैक्स बताकर इसे तत्काल वापस लेने की मांग कर रहा है। 2000 से ऊपर के कारोबारी भुगतान के इस 0.4 प्रतिशत शुल्क पर विपक्ष के झूठ की गूंज सोशल मीडिया से लेकर व्यापारियों तक पहुंच चुकी है। राजधानी लखनऊ व उत्तर प्रदेश के व्यापारी इसका प्रबल विरोध कर रहे हैं जबकि पेट्रोल पंप कंपनियां इस टैक्स को वापस लेने के लिए सरकार पर दबाव बना रहे हैं, कुछ पेट्रोल पंपों ने यूपीआई से करें भुगतान वाले बैनर वा पोस्टर हटाने भी शुरू कर दिए हैं। राहुल गांधी व उनका ईको सिस्टम एक सुनियोजित साजिश के तहत सोशल मीडिया पर तरह -तरह की अफवाहें फैला रहा है कि अब डिजिटल लेन-देन कम हो जाएंगे और बाजार में कैश का चलन बढ़ जाएगा। जो लोग कैश की जगह यूपीआई पेमेंट करते हैं उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना होगा। राहुल गांधी व इंडी गठबंधन के नेताओं को लग रहा है कि 0.4प्रतिशत शुल्क की आड़ में वो अपनी राजनीति को चमका लेंगे और मोदी सरकार की छवि को

सोच विचार

यूपीआई शुल्क: सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिन्टेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर नि:शुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू. 2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है। फिर भी इस बदलाव को केवल ‘शुल्क लगा या नहीं लगा’ के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य था आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वषों तक नि:शुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है। यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरुआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था। इसलिए शुल्क की किसी भी



व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100, रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है, लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क, सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए। दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिन्टेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क

यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं' तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को ‘मुफ्त’ बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए भविष्य में किसी भी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरुआत करते समय उसकी संभावित लागत, शुल्क संरचना और उसे लागू करने की परिस्थितियां पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता को यह पता होना चाहिए कि कौन-सी सेवा नि:शुल्क है, किस पर लागत है, लागत कौन वहन करेगा और उसका अधिकतम स्तर क्या होगा। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहा है। ऐसे समय में यूपीआई की सफलता को केवल लेन-देन की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता, सुरक्षा, पहुंच और उपभोक्ता विश्वास से मापना होगा। भारत की विकास-आकांक्षाओं के लिए उत्पादकता, नवाचार और मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा महत्वपूर्ण हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी भारत की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को दीर्घकालिक विकास से जोड़ता है। यूपीआई शुल्क की बहस इसलिए वास्तव में ‘शुल्क बनाम मुफ्त’ की बहस नहीं है। यह उस आर्थिक दर्शन की परीक्षा है जिसमें डिजिटल सुविधा आम आदमी तक सस्ती, सरल और सुरक्षित रूप में पहुंचती है। छोटे भुगतान मुफ्त रहें, छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक भार न पड़े, बड़े व्यावसायिक लेन-देन में लागत की तार्किक व्यवस्था हो, शुल्क की जानकारी पहले से सार्वजनिक हो और उससे प्राप्त संसाधन भुगतान प्रणाली की सुरक्षा व क्षमता बढ़ाने में लगे, ऐसा संतुलन ही टिकाऊ रास्ता हो सकता है। भारत को डिजिटल भुगतान का विस्तार रोकना नहीं, बल्कि उसकी अगली पीढ़ी तैयार करनी है। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को बैंक की शाखा और बटुए की सीमा से निकालकर मोबाइल की स्क्रीन तक पहुंचा दिया। अब अगली चुनौती यह है कि यह सुविधा आर्थिक रूप से टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए सहज भी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत में डिजिटल भुगतान केवल तकनीक नहीं, आर्थिक जीवन की धड़कन है। इसलिए इसकी कीमत तय करते समय बाजार की कमाई से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए- ‘उपभोक्ता का विश्वास, छोटे कारोबार की क्षमता और डिजिटल भारत की दीर्घकालिक विश्वसनीयता।’ –ललित गर्ग

सेहत मंत्र

विटामिन डी की कमी से बच्चों को रिकेट्स का खतरा, ग्रोथ संग दिमाग भी हो सकता है कमजोर

विटामिन डी बच्चों के लिए बहुत जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। ऐसा इसलिए भी कहा जाता है, क्योंकि इस विटामिन की मदद से बच्चों की हड्डियां मजबूत होती हैं और उनकी लंबाई भी बेहतर होती है। हालांकि इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि कई सारे फैक्टर्स पर हाइड्र निर्भर करती है। इसमें बच्चों की फिजिकल एक्टिविटी और जेनेटिक्स भी मेटर करते हैं। अगर बच्चों की ग्रोथ की बात की जाए, तो कुछ लोगों का मानना है कि इसमें विटामिन डी अहम योगदान निभाता है। ऐसे में हर पैरेंट्स को इस बात से का जवाब पता होना चाहिए। बता दें कि बच्चों की ग्रोथ के लिए विटामिन डी बहुत जरूरी पोषक तत्व है। लेकिन डाइट की सहायता से विटामिन डी की कमी को पूरा नहीं किया जा सकता है। विटामिन डी के लिए जरूरी है कि पैरेंट्स अपने बच्चों को बाहर धूप में खेलने के लिए जरूर मोटिवेट करें। जब विटामिन डी का एकमात्र स्रोत माना जाता है। धूप बच्चे पर्याप्त विटामिन डी नहीं लेते हैं, तो इसके कारण

बच्चे की ग्रोथ बाधित होती है। डॉक्टर इस बात की पुष्टि करते हुए बताते हैं कि विटामिन डी की कमी होने पर बच्चों को रिकेट्स हो जाता है। यह एक ऐसी कंडीशन है, जिसमें हड्डियां कमजोर और सॉफ्ट हो जाती हैं, जिस कारण पैर मुड़ सकते हैं और बच्चों को चलने में समस्या हो सकती है। विटामिन डी की कमी बच्चों की ग्रोथ पर निगेटिव असर दिखा सकती है। एक्सपर्ट की मानें, तो जब बच्चों को पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी नहीं मिल पाता है, तो बच्चों में इंपेयर हाइड्र ग्रोथ का खतरा बढ़ जाता है। असल में विटामिन डी की कमी होने पर बच्चे को शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। विटामिन डी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाने की वजह से कैल्शियम का भी अवशोषण नहीं हो पाता है। ऐसी स्थिति में बच्चों की हाइट ग्रोथ भी प्रभावित होती है। एक हेल्थ रिपोर्ट के मुताबिक जब बच्चों को ग्राईंग एज में पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी नहीं मिलता है, तो ऐसे में उनका मोटर डेवेलपमेंट प्रभावित हो सकता है।

मनाली के पास 100 किमी में छुपे ये 3 हिल

स्टेशन, जहां मिलेगा अद्भुत सुकून और शांति

जब भी लोग पहाड़ी जगहों पर घूमने जाने का प्लान करते हैं, तो वह आसपास की सभी जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान करते हैं। कई बार लोग ऐसी लोकेशन के बारे में सच करते हैं, जो आपको लोकेशन के पास भी हो और साथ ही खूबसूरत भी हो। वहीं अपने शहर से दूर घूमने गए लोग हमेशा पूरी प्लानिंग करने के बाद जाते हैं। क्योंकि लंबे ट्रिप पर निकले लोग आसपास की जगहों को भी एक्सप्लोर करते हैं। ऐसे में अगर आप भी मनाली के आसपास 100 किमी के अंदर अच्छी जगहें ढूंढ रहे हैं, जहां पर जाने में अधिक समय नहीं लगे। बता दें कि मनाली से मणिकर्ण की दूरी करीब 100 किमी के अंदर है। आप यहां पर 2:30 से 03:00 घंटे में पहुंच जाएंगे। मनाली घूमने गए लोगों को आसपास की जगहों को कवर करना चाहिए। इससे न तो ज्यादा खर्च आएगा और न ही आपको लोकेशन तक पहुंचने पर अधिक समय लगेगा। मनाली से मणिकर्ण की दूरी करीब 79 किमी दूर है।

आप मणिकर्ण पहुंचकर कसोल भी जा सकते हैं। कसोल और मणिकर्ण की बीच की दूरी करीब 20 मिनट की है। मनाली घूमने वाले लोगों को कसोल भी आना चाहिए। क्योंकि यह जगह मनाली से 100 किमी से भी कम दूरी पर स्थित है। अगर आपको ट्रैफिक नहीं मिलेगा, तो आपको यहां पहुंचने में करीब 2 घंटे का समय लगेगा। मनाली से कसोल की दूरी करीब 75 किमी है। बता दें कि कसोल और कसोली 2 अलग-अलग जगहें हैं। जिसमें कसोल ऊंचाई पर स्थित है और यह एक बेहद अंदर अच्छी जगहें ढूंढ रहे हैं, जहां पर जाने में अधिक समय नहीं लगे। बता दें कि मनाली से मणिकर्ण की दूरी करीब 100 किमी के अंदर है। आप यहां पर 2:30 से 03:00 घंटे में पहुंच जाएंगे। मनाली घूमने जाने वाले लोग रोहतांग पास घूमने जरूर जाते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि मनाली से अधिक दूर नहीं है। इसलिए लोगों को यहां पर पहुंचने में ज्यादा परेशानी नहीं होती है। मनाली से रोहतांग पास की दूरी करीब 50 किमी है।



धर्म मंत्र

मंगला गौरी व्रत कथा का पाठ करने से पूरी होती हैं हर मनोकामना

मंगला गौरी व्रत भगवान शिव और मां पार्वती को समर्पित होता है। यह व्रत वैवाहिक सुख और मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए रखा जाता है। बता दें कि मंगला गौरी व्रत के दौरान इसकी कथा का पाठ करना महत्वपूर्ण माना जाता है। माना जाता है कि यह व्रत करने वाले जातक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसे में जो भी लोग मंगला गौरी व्रत करते हैं, उन लोगों को इसकी व्रत कथा का पाठ जरूर करना चाहिए। वहीं इस व्रत को करने वाली महिलाओं को अखंड सौभाग्यवती का वरदान प्राप्त होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको यहां पर मंगला गौरी व्रत कथा के बारे में बताने जा रहे हैं। एक समय की बात है कि शहर में धर्मपाल नामक एक व्यापारी रहा करता था। धर्मपाल की पत्नी बहुत ज्यादा खूबसूरत थी और उसके पास काफी ज्यादा संपत्ति थी। लेकिन उनकी कोई संतान नहीं थी। जिस कारण वह काफी ज्यादा दुखी रहा करते थे। हालांकि भगवान की कृपा से उनको एक पुत्र की प्राप्ति हुई, जिसका नाम सोमप्रकाश रखा लेकिन वह अल्पायु था। क्योंकि उनके पुत्र को यह श्राप मिला था कि 16 साल की आयु में सांप काटने से बच्चों की मौत हो जाएगी। संयोगवश धर्मपाल के बेटे सोमप्रकाश की शादी 16 साल की उम्र से पहले सुमति नामक युवती से हुई। सुमति की मां मंगला गौरी व्रत करती थी और उसने अपनी बेटी सुमति को भी यह व्रत करना सिखाया। शादी के बाद सुमति ने पूरी श्रद्धा और विश्वास से मंगला गौरी का व्रत किया और मां पार्वती से अपने पति की रक्षा के लिए प्रार्थना की।

गोमती नदी में डूबी 14 वर्षीय किशोरी तलाश में जुटी में जुटी पुलिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। तहसील क्षेत्र की कोतवाली असंद्रा क्षेत्र के लकड़ियां गांव में शुक्रवार को गोमती नदी में एक 14 वर्षीय किशोरी डूब गई। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किशोरी की तलाश के लिए एसडीआरएफ को सूचना दी है।लकड़ियां गांव निवासी राम सुरेश की 14 वर्षीय पुत्री मनीषा शुक्रवार को गोमती नदी के किनारे जानवर चराने गई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नदी के गहरे पानी में चली गई। नदी में तेज बहाव होने के कारण वह पलक झपकते ही पानी में डूब गई।घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर जुट गए और किशोरी की तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई



पता नहीं चल सका। ग्रामीणों ने घटना की सूचना असंद्रा पुलिस को दी। प्रभारी निरीक्षक असंद्रा अनिल सिंह ने मौके की जानकारी लेकर किशोरी की तलाश के लिए एसडीआरएफ को सूचना दी है।

पुलिस और ग्रामीण नदी के आसपास किशोरी की तलाश में जुटे हैं।किशोरी की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है।

बाराबंकी

केपी तिवारी ने उतारी गणपति की आरती, फिर गुंजा आल्हा, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ, समिति ने किया सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी । अमोली कला गांव में गणेश चतुर्थी उत्सव की रात धार्मिक आस्था और लोक संस्कृति के रंग में रंगी रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता वरिष्ठ पत्रकार केपी तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान श्रीगणेश की विधिवत पूजा-अर्चना कर आरती उतारी और आल्हा गायन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गणपति की आरती के बाद जैसे ही आल्हा की गूंज शुरू हुई, कार्यक्रम स्थल तालियों से गुंज उठा।

मुख्य अतिथि केपी तिवारी ने कहा कि भगवान श्रीगणेश की पूजा-अर्चना करने से सभी विघ्नों का निवारण होता है। इसी कारण भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के माध्यम से



लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजनों में लोक विधाओं को स्थान मिलना ग्रामीण संस्कृति के संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में रायबरेली से आई

आल्हा गायिका काजल सिंह ने अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं को खूब रोमांचित किया। उनकी ओजपूर्ण आवाज और आल्हा गायन पर देर रात तक श्रोता डटे रहे। आयोजन समिति की ओर से मुख्य अतिथि केपी तिवारी का

माल्यार्पण एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया। इस मौके पर अंकुर तिवारी, आयोजक दिव्य प्रकाश शुक्ला, राकेश शुक्ला, संदीप दीक्षित और आदित्य तिवारी समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान में जलाए दीप पीएम मोदी को दी जन्मदिन की बधाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेही घाट बाराबंकी। तहसील क्षेत्र के देवीगंज चौगुहा स्थित इफ्को एग्रीजंक्शन वन स्टॉप शॉप परिसर व बाबा मस्तान दास आश्रम परिसर इमलिहा सूपामऊ में गुरुवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दीप जलाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब तीन दर्जन लोगों ने सहभागिता करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में विधानसभा दरियाबाद 270 भाजपा मंडल देवीगंज के बृथ अध्यक्ष किठैया, मंडल उपाध्यक्ष (युवा मोर्चा प्रकोष्ठ) सतीश कुमार, युवा भाजपा



नेता अवनीश कुमार तथा बृथ अध्यक्ष उमानाथ पाल रिकू अमरनाथ यादव देशराज पाल सोनू सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।इस मोर्चा प्रकोष्ठ) सतीश कुमार, युवा भाजपा

प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में सेवा, संकल्प और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण का संदेश भी दिया गया।कार्यक्रम में हरिशंकर पांडेय, राजन सोनी, आकाश सिंह, अमन अवस्थी, दीपक

सिंह, शिवम सोनी, शिवम दुबे, लवलेश यादव श्रीचंद यादव तेज नारायण यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में अखिलेश यादव की भी सहभागिता रही।

दूबेपुर में निकली पोषण माह जागरूकता रैली, दिए पोषण के संदेश



कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। जनपद में चल रहे 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत शुक्रवार को बाल विकास परियोजना दूबेपुर में पोषण जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को खंड विकास अधिकारी दूबेपुर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम का आयोजन बाल विकास परियोजना अधिकारी दूबेपुर की अध्यक्षता में किया गया।

रैली में मुख्य सेविकाओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में पोषण संबंधी संदेश लिखी

तख्तियां लेकर कार्यकर्ताओं ने लोगों को संतुलित आहार, पर्याप्त पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा कुपोषण से बचाव के प्रति जागरूक किया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों को बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के लिए पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी दी। रैली के माध्यम से लोगों से पोषण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में बाल विकास विभाग की मुख्य सेविकाएं एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

शिक्षा जगत के एक युग का अवसान, बीईओ श्याम बिहारी को शिक्षा मित्र संघ ने दी भावभीनी विदाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर/बल्दीराय। खंड शिक्षा अधिकारी श्याम बिहारी के स्थानांतरण के अवसर पर प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ बल्दीराय इकाई एवं विभिन्न शिक्षक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में बीआरसी सभागार बल्दीराय में भावभीनी विदाई सह सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के ब्लॉक अध्यक्ष एवं जिला महामंत्री पवन कुमार तथा ब्लॉक महामंत्री राजदेव यादव ने बीईओ श्याम बिहारी को अंगवस्त्र, माला पहनाकर, भारतीय संविधान की पुस्तक एवं विदाई सह सम्मान प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष राजबक्श मौर्य के नेतृत्व में पदाधिकारियों द्वारा भगवान बुद्ध की प्रतिमा एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर का चित्र भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं। प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ द्वारा दिए गए प्रशस्ति पत्र में उल्लेख किया गया कि - शिक्षा जगत के एक युग का



अवसान और आपके कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी सोच तथा शिक्षा के प्रति अटूट समर्पण को यह संघ नमन करता है। आपका बल्दीराय ब्लॉक में कार्यकाल केवल एक प्रशासनिक अवधि नहीं, बल्कि शिक्षा में गुणवत्ता, अनुशासन और मानवीय संवेदनाओं का स्वर्णिम अध्याय रहा है। अपने विदाई संबोधन में खंड शिक्षा अधिकारी श्याम बिहारी ने कहा कि बल्दीराय में बिताया गया

समय उनके सेवाकाल का सबसे यादगार समय रहा। उन्होंने कहा कि यहाँ के शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों और कर्मचारियों ने हमेशा टीम भावना से कार्य किया। आप सभी ने जो सम्मान दिया है, उसे मैं जीवन भर याद रखूंगा। शिक्षा मित्र शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके सहयोग के बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कल्पना ने कहा कि बल्दीराय में बिताया गया

अपहरण के बाद घर पर धावा फिर भी पुलिस मूकदर्शक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लम्भुआ/सुलतानपुर। अपराधियों के हाँसले बुलंद हों और पुलिस कार्रवाई के नाम पर सिर्फ शिकायतों की फाइलें पलटती रहे, तो सवाल कानून-व्यवस्था पर ही उठेंगे। लम्भुआ कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर हरिवंश गांव में सामने आई घटनाओं ने पुलिस की कार्यशैली पर ऐसे ही गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पहले युवक का अपहरण हुआ, फिर धमकी दी गई और कार्रवाई न होने के बाद घर में घुसकर जान लेने की कोशिश की गई। बावजूद इसके पुलिस की कथित सुस्ती से परिवार दहशत में है। मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज शिकायत में पासनाथ ने आरोप लगाया है कि 8 सितंबर 2026 को उनका पुत्र अनिल निषाद उर्फ पप्पू घास काटने गया था। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने कथित तौर पर उसका अपहरण कर लिया। शिकायत के मुताबिक उसे चांदा ले जाकर स्कॉर्पियो से वाराणसी के किसी जंगल

लम्भुआ पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल, पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर लगाई गुहार

में ले जाया गया। वहां अपहरणकर्ताओं के शराब पीने में व्यस्त होने का फायदा उठाकर युवक किसी तरह उनके चंगुल से निकल भागा और बाद में चरवाहों की सूचना पर बरामद हुआ। शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं, बढ़ा बदमाशों का दुस्साहस पीड़ित पिता के मुताबिक 10 सितंबर को लम्भुआ कोतवाली में शिकायत दी गई, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि इसके अगले दिन नामजद बताए जा रहे अशोक ने परिवार को धमकी देते हुए पुलिस से जांच कराने पर जान से मारने की बात कही। यदि शिकायत के बाद भी आरोपी बेखोज घूमते रहें और पीड़ित को खुलेआम धमकाने का साहस करें, तो फिर पुलिस का खौफ आखिर किसके लिए है।यह सवाल ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। 15 सितंबर की

रात घर में घुसे बदमाश पीड़ित परिवार का आरोप है कि 15 सितंबर की रात करीब 11.30 बजे दो अज्ञात बदमाश अनिल को जान से मारने की नीयत से घर में घुस आए। पारसनाथ के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके की ओर दौड़े तो आरोपी भाग निकले। शिकायत के अनुसार उनकी मोटरसाइकिल करीब 500 मीटर दूर खूट गई। पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल

एक घटना के बाद दूसरी घटना और धमकियों के बावजूद यदि पीड़ित को सुरक्षा के लिए थाने से आगे मुख्यमंत्री पोर्टल का दरवाजा खटखटाना पड़े, तो यह महज एक परिवार का दर्द नहीं, बल्कि पुलिसिंग की व्यवस्था पर सवाल है। पीड़ित परिवार ने शिकायत में स्थानीय पुलिस से न्याय की उम्मीद न होने की बात कही है। अब असली परीक्षा पुलिस की है क्या मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपों की सच्चाई सामने लाई जाएगी या शिकायत भी सरकारी फाइलों में एक और कागज बनकर रह जाएगी।

मेरे सपनों का भारत में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा चित्रकला में साक्षी और भाषण में परी कौशल अव्वल



कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर कहर के विभिन्न विद्यालयों में चित्रकला, लेखन एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मकता और विचार अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया। श्री सिंहराय भालेसुलतान इंटर कॉलेज, हलियापुर में आयोजित प्रतियोगिता में भाषण वर्ग में परी कौशल ने प्रथम, दिव्यांश सिंह ने द्वितीय और अंजलि सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में साक्षी प्रथम, प्रिया सरोज द्वितीय और अंशिका तृतीय रहीं। प्रतियोगिता में

बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विजेता विद्यार्थियों को भाजपा जिला उपाध्यक्ष हिन्देश सिंह ने प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं कैप्टन बालचंद्र इंटर कॉलेज, मीरपुर में भी चित्रकला, लेखन एवं भाषण प्रतियोगिताएं कराई गईं। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा बृथ अध्यक्ष हरिप्रसाद मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन कुमार यादव सहित शिक्षक अतुल मिश्रा, हेमंत पांडेय, शिवकुमार वर्मा, प्रमोद शुक्ला और अभिषेक सिंह मौजूद रहे।

कुएं में गिरी भैंस, फायर ब्रिगेड की टीम ने ग्रामीणों की सहायता से रेस्क्यू कर निकाला शव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेही घाट बाराबंकी तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत भवनियापुर में सड़क किनारे जंगल में बने एक पुराने कुएं में भैंस गिर गई। काफी तलाश के बाद भैंस के कुएं में गिरने की जानकारी होने पर शुक्रवार सुबह पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद भैंस को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मीत हो चुकी थी।पूरे बरियार गांव निवासी राजेश पुत्र बजरंग की भैंस गुरुवार को चरने के लिए भवनियापुर क्षेत्र में आई थी। शाम तक भैंस के वापस न लौटने पर स्वजन और ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान सड़क किनारे जंगल में बने कुएं में भैंस के गिरे होने की जानकारी मिली।ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह डायल 112 पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कुएं में पानी भरकर भैंस को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद मृत भैंस को कुएं से बाहर निकाला जा सका। मौके पर राजस्व विभाग की टीम भी मौजूद रही। सूचना पर राजकीय पशु चिकित्सालय पटखनगुरवा की टीम ने पहुंच कर आवश्यक लिखा-पढ़ी कर भैंस का पोस्टमॉर्टम किया। व बिलखते भैंस स्वामी को सरकार की मंशा के अनुरूप आर्थिक सहायता दिलाने की कार्यप्रणाली में अहम योगदान की बात कही।

गोमती उद्गम स्थल के कायाकल्प को मिली 12.26 करोड़ की मंजूरी

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । गोमती उद्गम स्थल के कायाकल्प की बहुप्रतीक्षित योजना को केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है नमामि गंगे मिशन-ऋक्रके तहत गोमती उद्गम स्थल के पुनरुद्धार और एकीकृत विकास के लिए 12.25 करोड़ रुपये से अधिक (12.2582 करोड़ रुपये) की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति जारी की गई है योजना में झीलों के पुनरुद्धार के साथ ही माधोटांडा क्षेत्र के घरेलू सीवेज के उपचार की व्यवस्था की जाएगी स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन की ओर से 17 सितंबर 2026 को जारी स्वीकृति पत्र के अनुसार परियोजना में 100 प्रतिशत केंद्रीय क्षेत्र का सहयोग रहेगा इसमें पांच वर्षों के संचालन एवं रखरखाव की लागत भी शामिल है योजना के तहत गोमती उद्गम स्थल की तीनों झीलों का जलीय पुनरुद्धार किया जाएगा मानसून के दौरान जल निकासी के लिए चैनल प्रणाली विकसित करने के साथ ही जर्जर तटबंधों को मजबूत किया जाएगा करीब 3.23 किलोमीटर निकासी मार्ग की सफाई, गाद निकासी और बांध की मरम्मत भी प्रस्तावित है माधोटांडा गांव से निकलने वाले घरेलू सीवेज को रोकने और उपचारित करने के लिए 1.09 एमएलडी क्षमता का मुख्य पॉपिंग स्टेशन तथा 1 एमएलडी क्षमता का नेचर बेस्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जाएगा इसमें निर्मित आर्द्रभूमि के माध्यम से सीवेज का उपचार किया जाएगा योजना का उद्देश्य उपचारित पानी को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाना और गोमती उद्गम क्षेत्र को प्रदूषण से बचाना है परियोजना की लागत में झील पुनरुद्धार के लिए करीब 4.63 करोड़ रुपये, सीवेज ट्रीटमेंट, पॉपिंग स्टेशन, आधारभूत ढांचे तथा इंटरसेप्शन-डायवर्जन कार्यों के लिए करीब 7.36 करोड़ रुपये और पांच साल के संचालन एवं रखरखाव के लिए 26.80 लाख रुपये शामिल हैं केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद की ओर से जारी जानकारी में इसे गोमती उद्गम स्थल के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया है परियोजना पूरी होने के बाद उद्गम स्थल को आध्यात्मिक पर्यटन के साथ-साथ पर्यावरण और ईको-टूरिज्म के केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलने की उम्मीद है

ऑनलाइन और लोकल बाजार एक-दूसरे के पूरक गन्ना कृषक महाविद्यालय में संगोष्ठी, भाषण प्रतियोगिता में पंकज राठौर प्रथम

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को वाणिज्य विभाग की ओर से 'ऑनलाइन बाजार या लोकल बाजार' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई।प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार शर्मा के निदेशन में हुई संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया संगोष्ठी के तहत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने ऑनलाइन और लोकल बाजार के फायदे और चुनौतियों पर अपने विचार रखे प्रतियोगिता में पंकज राठौर ने प्रथम, प्रीति ने द्वितीय और निशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार दीक्षित ने कहा कि ऑनलाइन और लोकल बाजार एक-दूसरे के प्रतियोगी नहीं, बल्कि सहयोगी हैं ऑनलाइन बाजार उत्पादक को सीधे उपभोक्ता से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है डॉ. अंकित गुप्ता ने कहा कि दोनों बाजारों के अपने गुण और दोष हैं लोकल बाजार स्थानीय अर्थव्यवस्था और पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देता है, जबकि ऑनलाइन बाजार ग्राहकों को अधिक विकल्प उपलब्ध कराता है अद्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार शर्मा ने कहा कि लोकल बाजार गरीब और कम पूंजी वाले कारोबारियों को सहारा देता है और सामाजिक व्यवस्था में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है वहीं ऑनलाइन बाजार मध्यस्थों की लागत कम कर उत्पादक और उपभोक्ता को सीधे जोड़ने में मदद करता है उन्होंने कहा कि दोनों बाजारों को एक-दूसरे का पूरक मानकर आगे बढ़ना चाहिए कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंकित गुप्ता ने किया अंत में डॉ. अरविंद कुमार दीक्षित ने अतिथियों, प्राध्यापकों और विद्यार्थियों का आभार जताया इस अवसर पर डॉ. रेखा सिंह, डॉ. वीके शर्मा, डॉ. रंजना सिंह, डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ. सौरभ सक्सेना, डॉ. जय नारायण, डॉ. अंशिका शर्मा, डॉ. अर्पिका दीक्षित, सुरेंद्र मौर्य, अनूप शुक्ला, आशीष केचन समेत महाविद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा



विदेशी अनुभव के दम पर पदक के सूखे को खत्म करने उतरेगी भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले पांच-छह महीनों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और जापान तथा कोरिया में प्रशिक्षण से मिले अनुभव के दम पर भारत के सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी जय मीणा और आध्या तिवारी आगामी एशियाई खेलों में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। दोनों खिलाड़ियों का यह तीसरा एशियाई खेल है। जय और आध्या की जोड़ी ने 2024 विश्व सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था।

छह सदस्यीय भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम की अगुवाई जय और आध्या कर रहे हैं। जय पुरुष एकल, पुरुष टीम और मिश्रित युगल में हिस्सा लेंगे, जबकि आध्या महिला एकल और मिश्रित युगल में चुनौती पेश करेंगी। टीम के अन्य सदस्य योगेश चौधरी, ओम यादव, अनिकेत चिराग पटेल और आर्यन ठाकुर हैं। टीम के साथ कोच देवांशी हरेशभाई पटेल और फिजियोथेरेपिस्ट उत्सव कुमार दुबे भी हैं। भारत ने एशियाई खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा के साथ अभियान की शुरुआत की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत ने

युप सी के पहले मुकाबले में लाओस को 3-0 से हराया, लेकिन दूसरे मैच में चीनी ताइपे के खिलाफ 0-3 से हार गया। इसके बाद भारत ने मंगोलिया को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जिसका मुकाबला शनिवार को होगा। मध्य प्रदेश के देवास के रहने वाले जय मीणा की सॉफ्ट टेनिस में शुरुआत संयोग से हुई। बचपन में उनकी रुचि क्रिकेट में थी और वह क्रिकेटर बनना चाहते थे। स्कूल के पास सॉफ्ट टेनिस कोर्ट पर कुछ लड़कों को खेलते देखकर उनकी इस खेल में रुचि जगी। 14 साल की उम्र तक वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने लगे थे। जय ने 2018 जकार्ता-पलेम्बांग एशियाई खेलों में भी हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीता। 2024 में आध्या तिवारी के साथ जोड़ी बनाकर आर्यन ठाकुर हैं। टीम के साथ कोच देवांशी हरेशभाई पटेल और फिजियोथेरेपिस्ट उत्सव कुमार दुबे भी हैं। भारत ने एशियाई खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा के साथ अभियान की शुरुआत की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत ने

एशियाई खेल

पुरुष एकल का कांस्य पदक जीतकर महाद्वीपीय स्तर पर पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। हाल में उन्होंने 2026 सुनचांग ओपन में पुरुष एकल का कांस्य पदक भी जीता। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भारतीय खेल प्राधिकरण ने पिछले साल जय को टारगेट एशियाई खेल समूह योजना में शामिल किया। इसके तहत उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने और जम्मु तथा अहमदाबाद में राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों के लिए वित्तीय सहायता मिली। जय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने से उन्हें और टीम के अन्य खिलाड़ियों को प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त मिली है। उन्होंने साईं मीडिया से बातचीत में कहा, 2018 में मैंने जकार्ता में अपना पहला एशियाई खेल खेला था। वह मेरे जीवन का बिल्कुल अलग अनुभव था। मुझे पता चला कि एशियाई खेलों का क्या महत्व है। यह मेरा तीसरा एशियाई खेल है। चीन में हांगझोउ एशियाई खेलों के दौरान भी मैं पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा था, जहां मुझे बेहद करीबी



मुकाबले में हार मिली थी। जय ने कहा, इस बार भारतीय महासंघ और सरकार ने खिलाड़ियों के लिए बहुत मेहनत की है। मैं खेल मंत्रालय और हमारी सरकार को उनके अभूतपूर्व सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हमारे अंतरराष्ट्रीय शिविर लगे और हमने चार-पांच महीने देश से बाहर रहकर कोरिया और जापान में प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, मैं टारगेट एशियाई खेल समूह योजना का हिस्सा हूं।

महसूस नहीं करता। हमने एशियाई खेलों में कभी पदक नहीं जीता है और इस बार जापान आने का हमारा लक्ष्य यही है। मध्य प्रदेश के छोटे शहर होशंगाबाद की रहने वाली आध्या तिवारी ने तीन साल की उम्र से टेनिस खेलना शुरू किया था। उनके पिता रणजी ट्रॉफी क्रिकेटर रहे हैं। शुरुआत में उन्हें टेनिस की बारीकियां सिखाने के लिए कोच उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उन्हें खुद सीखना पड़ा। आध्या ने कहा, मैंने टेनिस खुद सीखा। इसके बाद मैं लॉन टेनिस खेल रही थी और एशिया में छठी वरीयता पर थी। मैंने 2013 तक लॉन टेनिस काफी अच्छा खेला। इसके बाद मैं एक टूर्नामेंट में गई, जहां मध्य प्रदेश के सॉफ्ट टेनिस सचिव ने मुझसे पूछा कि मैं सॉफ्ट टेनिस क्यों नहीं आजमाती। मैंने सोचा कि एक बार कोशिश करती हूं। उन्होंने कहा, अपने पहले ही टूर्नामेंट में मैंने दो कांस्य और एक रजत पदक जीता। इसके बाद मेरा नाम जूनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए आया। तब से मैं सॉफ्ट टेनिस खेल रही हूं, क्योंकि लॉन टेनिस में काफी खर्च होता था। आध्या वर्तमान में भारत की नंबर एक सॉफ्ट

टेनिस खिलाड़ी हैं। 2018 में 15 साल की उम्र में वह एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनी थीं। 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में उन्होंने महिला टीम स्पर्धा में पांचवां स्थान हासिल किया था। 2025 में उन्होंने एशियाई सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में मिश्रित युगल और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते। टारगेट एशियाई खेल समूह योजना में शामिल आध्या ने भी भारतीय खेल प्राधिकरण के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों का लाभ उठाया। उन्होंने कहा, मैं टारगेट एशियाई खेल समूह योजना के लिए बहुत आभारी हूं। हमें जो शिविर मिले, उनसे हमारे खेल को विकसित करने और सुधारने में काफी मदद मिली। भारतीय खेल प्राधिकरण ने हमारी बहुत मदद की। शिविरों में प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचा, उपकरण और यहाँ तक कि रैकेट भी उपलब्ध कराए गए। इस बार प्रशिक्षण बहुत अच्छा रहा। उन्होंने कहा, कोरिया में भी एक महीने का पूरा शिविर लगा और जापान में एशियाई खेलों से पहले 20 दिनों का शिविर आयोजित किया गया। अभी मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि पदक जीतने की काफी संभावनाएं हैं।

संक्षिप्त समाचार

शतरंज ओलंपियाड: भारत ने इंडोनेशिया को 2.5-1.5 से हराया, महिला टीम ने फ़िनलैंड को दी मात

समरकंद। शतरंज ओलंपियाड के दूसरे दौर में गुरुवार को भारत ने ओपन और महिला दोनों वर्गों में जीत दर्ज की। ओपन वर्ग में भारत को इंडोनेशिया के खिलाफ 2.5-1.5 की जीत के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, जबकि महिला टीम ने फ़िनलैंड को 3.5-0.5 से हराकर आसान जीत दर्ज की। पहले दौर में आराम दिए जाने के बाद वापसी कर रहे आर. प्रज्ञानानंद ने शीर्ष बोर्ड पर काले मोहरों से इंडोनेशिया के सुशांतो मेगारांतो के खिलाफ लंबा मुकाबला खेला। खेल एंडगेम तक पहुंचा और 79 चालों के बाद दोनों खिलाड़ियों ने ड्रा पर सहमति जताई। निहाल सरीन ने भारत को पहली सफलता दिलाई। सफ़ेद मोहरों से आईएम आरिफ अब्दुल हाफिज के खिलाफ खेलते हुए निहाल ने धीरे-धीरे दबाव बढ़ाया और अंतिम चरण में सामरिक बढ़त हासिल कर ली। हाफिज ने 37.एनसी5+ के बाद बाजी छोड़ दी। यह ओलंपियाड में निहाल की लगातार दूसरी जीत रही। डी. गुकेश को काले मोहरों से आईएम सात्रिया दुटा चहाया के खिलाफ जीत का रास्ता नहीं मिला। स्थिति सरल होने के बाद गुकेश ने लगातार वीन चेंक के जरिए मुकाबला बराबर रखा और 51.व्यूडी1+ के बाद ड्रा हुआ। विदित गुजराती और आईएम नायका बुधिमार् के बीच मुकाबला भी बराबरी पर समाप्त हुआ। सफ़ेद मोहरों से खेल रहे विदित ने संतुलित स्थिति हासिल की और 34.एच3 के बाद दोनों खिलाड़ियों ने अंक बांट लिए। इस तरह एक जीत और तीन ड्रा के साथ भारत ने मुकाबला 2.5-1.5 से अपने नाम किया। भारत ने पहले दौर में थाईलैंड को 3-1 से हराया था। उस मुकाबले में शीर्ष बोर्ड पर अर्जुन प्रह्लाद को चौकाने वाली हार मिली थी, लेकिन भारत ने जीत दर्ज की थी। महिला वर्ग में भारत ने फ़िनलैंड के खिलाफ 3.5-0.5 से शानदार जीत दर्ज की। कानेरु हम्पी को इस दौर में आराम दिए जाने के कारण वैशाली रमेशबाबु ने शीर्ष बोर्ड पर मोर्चा संभाला। उन्हें अनास्तासिया केडनानेन ने कड़ी चुनौती दी और 88 चालों के बाद मुकाबला ड्रा रहा। बाकी तीनों बोर्ड भारत के पक्ष में रहे। दिव्या देशमुख ने जोहाना पासिकागस-तेल्ला को 38 चालों में हराया। वंतिका अग्रवाल ने सबसे तेज जीत दर्ज करते हुए सारा-ओलिविया रिप्पोला को केवल 22 चालों में मात दी। साविता श्री बी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए हेल्जा लेहटिनेन को 31 चालों में हराया और भारत की महिला टीम को 3.5-0.5 की जीत दिलाई। अन्य मुकाबले में जवोखिर सिदारोव ने पेरु के डिगो साउल रोड्री फ्लोरेस कियास के खिलाफ काले मोहरों से 32 चालों में जीत दर्ज की। टीम में वापसी कर रहे सिदारोव ने धीरे-धीरे स्थिति पर नियंत्रण बनाया और फिर पेरु के राजा के खिलाफ हमला तेज कर दिया। फ्लोरेस कियास लगातार रक्षात्मक स्थिति में चले गए और अंततः दबाव से निकलने का कोई रास्ता नहीं मिलने पर मुकाबला छोड़ दिया।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के कोच बेन सॉयर का चार साल बाद कार्यकाल समाप्त

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने महिला टीम की मुख्य कोच बेन सॉयर के अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। चार साल तक टीम की जिम्मेदारी संभालने वाले सॉयर का कार्यकाल दिसंबर 2026 तक था, लेकिन महिला क्रिकेट की उच्च प्रदर्शन संरचना की व्यापक समीक्षा के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बदलाव का निर्णय लिया। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, समीक्षा में महिला टीम के लिए एक नई 'परफॉर्मेंस लीड' भूमिका की जरूरत सामने आई है। इसके अलावा, रैचल पेंटिट के पास मौजूद मैनेजर का पद भी समाप्त कर दिया गया है। अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए अंतरिम मुख्य कोच और टीम मैनेजर टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे। स्थायी मुख्य कोच और परफॉर्मेंस लीड के पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए न्यूजीलैंड की टीम की घोषणा अक्टूबर की शुरुआत में की जाएगी। सॉयर ने जून 2022 में न्यूजीलैंड महिला टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उनके कार्यकाल में टीम ने बर्मिंघम राइट्समंडल खेलों में कांस्य पदक जीता और सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में 2024 आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का ऐतिहासिक खिताब अपने नाम किया। जॉर्जिया ट्विम्बर, ईडन कार्सन और डीजी गेज जैसी युवा खिलाड़ियों ने भी सॉयर के कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई और विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा बनीं। सॉयर ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के हवाले से कहा, व्हाइट फर्न्स की कोविंग करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा और मैं इस टीम का नेतृत्व करने का अवसर मिलने के लिए बेहद आभारी हूं। यह टीम मेरे लिए बहुत मायने रखती है और मुझे पिछले चार वर्षों में हमने जो हासिल किया, उस पर बेहद गर्व है। हालांकि टीम से अलग होने को लेकर मैं निराश हूं, लेकिन मैं टीम और न्यूजीलैंड क्रिकेट को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य हाई परफॉर्मेंस क्रिकेट अधिकारी डेरिल गिब्सन ने सॉयर के योगदान की सराहना करते हुए कहा, बेन ने व्हाइट फर्न्स के लिए बदलाव और प्रगति के महत्वपूर्ण दौर का नेतृत्व किया। महिलाओं के खेल के लिए उन्होंने जो प्रतिबद्धता, पेशेवर रवैया और समर्पण दिया, उसके लिए हम उनके बेहद आभारी हैं। गिब्सन ने कहा, यह एक कठिन फैसला था और इसे हलके में नहीं लिया गया। हमारा मानना ​​है कि व्हाइट फर्न्स की यात्रा के अगले चरण के लिए कार्यक्रम की भविष्य की दिशा को आगे बढ़ाने के लिए अलग नेतृत्व दृष्टिकोण की आवश्यकता है। न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर ने भी सॉयर के योगदान को याद करते हुए कहा कि 2024 टी20 विश्व कप जीत के दौरान उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

बिष्णू देवी, अब्दुल रहमान को एफआईएच विश्व कप 'मैजिक स्किल' पुरस्कार

लुसाने। भारतीय महिला हॉकी गोलकीपर बिष्णू देवी खारीबम और पाकिस्तान के स्ट्राइकर अब्दुल रहमान ने हाल ही में नीदरलैंड और बेलियम में हुए एफआईएच विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के लिये 'पोलिग्रास मैजिक स्किल' पुरस्कार जीते। विजेताओं का चयन प्रशंसकों के वोट के आधार पर किया गया। विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के पलों के आधार पर नामांकन तय किये गए थे। यह पुरस्कार एफआईएच के वैश्विक सप्ताहवार पोलेटोन द्वारा दिया जाता है। इसमें पुरुष और महिला वर्ग में तीन तीन दावेदार थे। बिष्णू को इंग्लैंड के खिलाफ फूल चरण के मैच में आखिरी तीस सेकंड में शानदार तरीके से गोल बनाने के लिये यह पुरस्कार दिया गया। यह मैच ड्रा रहा और इसके आधार पर भारत ने दूसरे दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही जो 1974 के बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। बिष्णू को 52 प्रतिशत वोट मिले। पुरुष वर्ग में पाकिस्तान के रहमान को उसके शानदार 3डी कौशल के लिये यह पुरस्कार मिला जिन्होंने वेस्स के खिलाफ चार डिफेंडरों के बीच से गेंद को निकालकर गोल किया था। रहमान को 44 प्रतिशत वोट मिले। दक्षिण कोरिया के केंटोन मेलविले को 39 प्रतिशत वोट मिले।

एशियन खेल : भारतीय महिला टीम ने जापान को 8 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

सेमीफाइनल में रविवार को बांग्लादेश से होगा सामना

एजेंसी

क्रिकेट (जापान)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन खेलों में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए शुक्रवार को जापान को 8 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां भारतीय टीम का सामना बांग्लादेश से होगा। रविवार (स्थानीय समयानुसार) पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान का मुकाबला श्रीलंका से होगा, और उसके बाद दोपहर में भारत का मुकाबला बांग्लादेश से होगा।



जापान के खिलाफ मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जापान की टीम 19.5 ओवरों में केवल 57 रनों पर सिमट गई। जापान की तरफ से अयाका काटो-स्टैफ़ोर्ड ने 47 गेंदों पर सर्वाधिक 25 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने 2 चौके

दीपित शर्मा और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लियाए जबकि दो बल्लेबाज रन आउट हुईं। 58 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली वर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई और पहले ही ओवर में 4 चौके जड़ दिये। हालांकि दूसरे ओवर में नानोहा यासुमोटो ने जी.कमालिनी (00) को पवेलियन भेज भारत को पहला झटका दिया। उन्होंने दूसरे ओवर में कोई रन नहीं दिया और कमालिनी का विकेट लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आई भारती फूलमाली भी कुछ खास नहीं कर सकीं और अयाका काटो-स्टैफ़ोर्ड का शिकार बनीं। भारती ने 6 रन बनाए। हालांकि दूसरी तरफ से शेफाली ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर भारतीय टीम को 8 विकेट से आसान जीत दिलाई।

डॉसन और बेंटन के दम पर इंग्लैंड ने दूसरे टी20 में श्रीलंका को छह विकेट से हराया

एजेंसी

कार्डिफ। लियाम डॉसन और टॉम बेंटन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में गुरुवार देर रात श्रीलंका को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने आक्रामक शुरुआत की। पाथुम निसांका ने जोफ्रा आर्चर के पहले ही ओवर में तीन चौके जड़ दिए, जबकि लाहिरू उदारा ने भी बाद में तेजी पकड़ी। श्रीलंका ने पांचवें ओवर के आधे पड़ाव तक 50 रन पूरे कर लिए। इंग्लैंड के कप्तान ने पावरप्ले के अंतिम ओवर में लियाम डॉसन को गेंद सौंपी और बाएं हाथ के स्पिनर ने लगातार दो गेंदों पर विकेट लेकर श्रीलंका की रफ्तार पर अंकुश लगा दिया। निसांका 37 रन बनाकर जेमी ओवरटन का शिकार बने।



ओवरटन ने इसके बाद कार्मिडु मेंडिस को बोल्ड किया, जबकि डॉसन ने दामुन शानका को आउट कर श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ा दीं। कप्तान रथिथ असलंका और वानिंदु हसरंगा ने 44 रन की साझेदारी कर श्रीलंका की पारी को संभाला। डॉसन के अंतिम ओवर में 18 रन आए, जिससे श्रीलंका ने 170 के आसपास पहुंचने की बनावकर जेमी ओवरटन का शिकार बने।

शतरंज ओलंपियाड: भारतीय पुरुष टीम के सामने इटली की चुनौती, लाइव रेटिंग में 2700 से नीचे गुकेश

एजेंसी

समरकंद (उज्बेकिस्तान)। गत चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने 46वें शतरंज ओलंपियाड के शुरुआती दो दौर में निचली रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ जीत दर्ज की, लेकिन अब तीसरे दौर में उसके सामने मजबूत इटली की चुनौती है। इटली की टीम के पहले चार बोर्ड पर ग्रैंडमास्टर खिलाड़ी हैं। भारत ने पहले दौर में थाईलैंड को 3-1 से हराया, जबकि दूसरे दौर में इंडोनेशिया के खिलाफ 2.5-1.5 से मामूली जीत दर्ज की। निचली रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ जीत हासिल करने के बावजूद भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सौंपने का फैसला कारगर रहा और राफिद ने असलंका को आउट कर दिया। इसके बाद सॉनी बेकर ने 19वें ओवर में विकेट मेडन डालते हुए हसरंगा को पवेलियन भेजा। अंतिम ओवर में आर्चर ने दो विकेट झटके और श्रीलंका ने सात रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए।

अक्टूबर 2024 में वह 2794 की सर्वोच्च रेटिंग तक पहुंचे थे। सितंबर 2022 में महज 16 वर्ष की उम्र में गुकेश 2699 से छलांग लगाकर 2726 रेटिंग अंक पर पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और दिसंबर 2024 में 18 वर्ष की उम्र में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। ओलंपियाड में 2700 की विशिष्ट रेटिंग वाले खिलाड़ियों के क्लब से बाहर होना गुकेश के लिए विश्व चैंपियनशिप के मुकाबले से पहले किसी झटके की तरह है। वह हालांकि प्रतियोगिता के बाकी दौर में मजबूत वापसी कर इस स्तर को फिर हासिल करने की कोशिश करेंगे। इससे पहले 2022 और 2024 के पिछले दो ओलंपियाड में गुकेश ने भारत के लिए शीर्ष बोर्ड पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का स्वर्ण पदक जीता था। लेकिन इस बार टीम प्रबंधन ने मौजूदा फॉर्म को ध्यान में रखते हुए उन्हें चौथे बोर्ड पर उतारने का फैसला किया है।

भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा मजबूत, लगातार निवेश जारी रखेगी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स

एजेंसी

नयी दिल्ली। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीओओ) रणधीर ठाकुर ने कहा कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा "मजबूत" नजर आ रही है और सेमीकॉन 2.0 के तहत नीतिगत स्थिरता से उद्योग की कार्ययोजना में महत्वपूर्ण निरंतरता बनी हुई है। भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में अपनी मजबूत जगह बनाने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में भारत का पहला वाणिज्यिक सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण संयंत्र (फैब) और असम के गिरीरोड में देश की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर 'असेंबली' एवं परीक्षण सुविधा स्थापित कर रही है। इन दोनों परियोजनाओं में कुल 14 अरब डॉलर का निवेश किया जा रहा है और इनका उद्देश्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक ग्राहकों की

जरूरतें पूरी करना है। ठाकुर ने 'सेमीकॉन इंडिया 2026' के मौके पर 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, "हमारे कारोबार में निरंतरता महत्वपूर्ण है और सेमीकंडक्टर एक कार्ययोजना आधारित यात्रा है। यह देखना वास्तव में उत्साहजनक है कि सेमीकंडक्टर 1.0 योजना के बाद सरकार सेमीकंडक्टर 2.0 लेकर आई है। इसलिए वह निरंतरता और वह कार्ययोजना बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा मानना ​​है कि इस कार्ययोजना के तहत हम नकदी प्रवाह पैदा करेंगे, हम लगातार निवेश करते रहेंगे और इसे आगे बढ़ाते रहेंगे। कृत्रिम मेधा (एआई) के बारे में ठाकुर ने कहा कि सेमीकंडक्टर हार्डवेयर और कंप्यूटिंग क्षमता में हार्ड प्रगति ने एआई अनुप्रयोगों और सेमीकंडक्टर 'असेंबली' एवं परीक्षण सुविधा स्थापित कर रही है। इन दोनों परियोजनाओं में कुल 14 अरब डॉलर का निवेश किया जा रहा है और इनका उद्देश्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक ग्राहकों की

सर्पाफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में लगातार पांचवें दिन बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्पाफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्पाफा बाजार में सोना आज 570 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 620 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। वहीं, चांदी के भाव में आज लगातार पांचवें दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये चमकीली धातु आज भी शुरुआती कारोबार के दौरान सोमवार के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्पाफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के

नई दिल्ली। घरेलू सर्पाफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्पाफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के

नई दिल्ली। घरेलू सर्पाफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्पाफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के



जनसुनवाई और जन–विश्वास शिविर बड़ी योजनाओं जितने ही महत्वपूर्ण, लापरवाही पर तय होगी जिम्मेदारी : सिंधिया

एजेंसी

गुना । केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हर शुक्रवार प्रदेश के सभी जिलों में शासन-प्रशासन द्वारा ‘सेवा ही संकल्प’ की भावना के साथ जनता की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। जनसुनवाई और जन-विश्वास शिविर बड़ी योजनाओं जितने ही महत्वपूर्ण हैं। प्राप्त आवेदनों का गंभीरता और तत्परता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाए।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शुक्रवार को मध्य प्रदेश के गुना जिले के प्रवास के दौरान ‘‘मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान’’ के अंतर्गत बरखेड़ागिरद में आयोजित शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ड्रोन दीदी के माध्यम से आधुनिक तकनीक आज समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। किरण द्वारा ड्रोन संचालन का प्रदर्शन इसका उदाहरण है।



शिविर में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बताया कि कैट चौराहे से गुलाबगंज तक सड़क का डीपीआर तैयार हो चुका है। लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से सड़क का निर्माण कराया जाएगा।

सिंधिया ने शुक्रवार को ‘‘मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान’’ के अंतर्गत बरखेड़ागिरद में विभिन्न शासकीय संस्थानों का निरीक्षण किया तथा जन-विश्वास शिविर में शामिल होकर ड्रोन संचालन का प्रदर्शन इसका उदाहरण है।

लाल सागर क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति बिगड़ने पर भारत चिंतित, सऊदी अरब पर हमले निंदनीय : जायसवाल

नई दिल्ली । भारत ने लाल सागर क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति बिगड़ने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर हुए हमलों की निंदा करते हुए कहा कि नागरिकों और आर्थिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने वाले ऐसे हमले क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा को प्रभावित करते हैं और बाब-अल-मंदेब के रास्ते नौवहन की स्वतंत्रता के लिए खतरा पैदा करते हैं। जायसवाल ने शुक्रवार को विदेश मंत्रालय की मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ह्दम लाल सागर क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति बिगड़ने को लेकर बेहद चिंतित हैं।ड्ड उन्होंने कहा कि भारत ने

सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर हुए हमलों की निंदा की है, जिसमें नागरिकों और आर्थिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। प्रवक्ता ने कहा कि मक्का के पवित्र शहर पर किए गए हमले के प्रयास के बाद भारत ने अपना बयान भी जारी किया था। उन्होंने कहा कि इस तरह के हमले क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को प्रभावित करते हैं तथा क्षेत्रीय सुरक्षा को कमजोर करते हैं। उन्होंने कहा कि ये हमले बाब-अल-मंदेब के रास्ते नौवहन की स्वतंत्रता के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। विभिन्न कारणों से यह हमारे लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है। जायसवाल ने उम्मीद जताई कि क्षेत्र में जल्द शांति और

स्थिरता बहाल होगी। उल्लेखनीय है कि यमन के हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के सैन्य गठबंधन के बीच एक दशक से जारी संघर्ष वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता के बाद शांत हुआ था, लेकिन पिछले सप्ताह हूती विद्रोहियों ने लाल सागर तट के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। हूती विद्रोहियों के ऐसा करने से इस अहम समुद्री रास्ते पर जहाजों की सुरक्षा को लेकर खतरा पैदा हो गया। हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों ने पूरे इलाके की चिंता बढ़ा दी है, जिसका असर सिर्फ अरब देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के तेल बाजारों पर भी पड़ सकता है।

सुरेंद्र कोली की मौत पर निटारी कांड की पीड़िता के पिता ने उठाए सवाल

नोएडा । उच्चतम न्यायालय से निटारी कांड से जुड़े सभी मामलों में बरी होने के बाद जेल से रिहा हुए सुरेंद्र कोली की शुकुवार को हरिद्वार में हुई मौत को लेकर एक पीड़ित परिवार ने सवाल उठाए हैं। निटारी कांड में मारी गई किशोरी ज्योति के पिता झब्बू लाल ने दावा किया है कि कोली ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले के मुख्य आरोपित मोनिंदर सिंह पंडेरे ने सच सामने आने से रोकने के लिए कोली की हत्या कराई। हालांकि, हरिद्वार पुलिस के अनुसार, कोली सप्त सरोवर रोड स्थित एक चाय की दुकान पर फंदे से लटका मिला। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की

है और पुलिस के मुताबिक प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। मौत के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।
मृतक ज्योति के पिता झब्बू लाल (64) ने कहा कि सुरेंद्र कोली की हत्या की गई है और उसने आत्महत्या नहीं की। उनकी बेटी ज्योति भी वर्ष 2006 में निटारी से लापता हुए बच्चों में शामिल थी। झब्बू लाल ने सवाल उठाया कि यदि कोली मानसिक तनाव में था तो उसने जेल में रहते हुए आत्महत्या क्यों नहीं की और रिहाई के कई महीने बाद ऐसा कदम क्यों उठाया।

पेज एक का शेष

पाकिस्तान...

को आईएनएस कोलकाता और पीएनएस हुनैन के बीच हुई टक्कर पर भारत ने पाकिस्तान के प्रभारी राजदूत को तलब कर इस मामले पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया था और पाकिस्तानी जहाज के अस्वीकार्य आचरण पर कड़ी आपत्ति जताई थी। इसको लेकर पाकिस्तान का कहना था कि यह टक्कर पाकिस्तान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में भारतीय जहाज की उकसावे वाली और अस्वीकार्य कार्रवाई की वजह से हुई।

बीच समंदर में हुई इस घटना को इसलिए गंभीर माना जा रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान ने अप्रैल 1991 में सैन्य गतिविधियों से जुड़ी गलतफहमियों और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक समझौता किया था। इसके आर्टिकल 10 में दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों और पनडुब्बियों के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में संचालन को लेकर विशेष प्रावधान हैं। इसके तहत दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों को एक-दूसरे के तीन नॉटिकल मील से कम करीब नहीं आना चाहिए, ताकि दुर्घटना से बचा जा सके। तीन नॉटिकल मील करीब 5.56 किलोमीटर के बराबर होते हैं। इस प्रावधान का उल्लेख भारत सरकार के पुराने आधिकारिक रिकॉर्ड में भी मिलता है। इसलिए मौजूदा घटना में भारत की आपत्ति केवल टक्कर होने को लेकर नहीं है, बल्कि यह भी है कि पाकिस्तानी जहाज ने अंतरराष्ट्रीय समुद्र में सुरक्षित संचालन के लिए मौजूद द्विपक्षीय व्यवस्था का पालन नहीं किया।

एचएएल ...

की वजह से तेजस मार्क-1ए में देरी हो रही है, लेकिन जल्द ही इसका हल निकलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि 27 एयरफ्रेम बना चुके हैं और हमें 10 इंजन मिल गए हैं, इसलिए हम एयरक्राफ्ट की डिलीवरी शुरू कर पाएंगे।

इसी कार्यक्रम में वायु सेना को पहली खेप में तीन एचटीटी 40 बेसिक ट्रेनर एयरक्राफ्ट सौंपे गए हैं। एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमानों की आपूर्ति लंबे समय से अटक रही थी। इसकी मुख्य वजह हनीवेल के टीपीई-331-12बी टर्बोप्रॉप इंजन की आपूर्ति में आई वैश्विक सप्लाई चेन की दिक्कत थी। इंजन की आपूर्ति को मंजूरी मिलने के बाद अब इन विमानों की डिलीवरी का रास्ता साफ हुआ है। ये तीन विमान मार्च, 2023 में रक्षा मंत्रालय के साथ 6,838 करोड़ रुपये के 70 एचटीटी-40 विमानों के अनुबंध का हिस्सा हैं।

पवन हंस लिमिटेड को सौंपे गए ध्वव एनजी हेलीकॉप्टर नागरिक उपयोग के लिए हैं। पवन हंस ने 10 हेलीकॉप्टर के लिए ऑर्डर किया था, जिसमें से चार इस समारोह में दिए गए। ये समुद्री अभियानों, इमरजेंसी मेडिकल सेवा और यात्री परिवहन में काम आएंगे। इनमें आधुनिक ग्लास कॉकपिट और सुरक्षा फीचर हैं। केंद्र सरकार एगरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर में स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को उच्च प्राथमिकता दे रही है। इन प्लेटफॉर्मों का शामिल होना विदेशी निर्भरता कम करने की दिशा में एक और कदम है। एचएएल अब सिर्फ सैन्य विमान ही नहीं, बल्कि नागरिक हेलीकॉप्टर भी बना रहा है, जिससे देश में

लड़ाकू विमानन की उद्योग क्षमता बढ़ रही है।

नेस्ले इंडिया ...

दोबारा जांच के लिए भेजने पर भी नमूना मानकों पर खरा नहीं उतरा। इन्हीं कारणों से प्राधिकरण ने नेस्ले के खिलाफ कार्रवाई की।

यूपी...

सरकार की पैरवी पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने कहा कि अब यूपी सरकार बिना देरी किये तुरन्त सर्वोच्च न्यायालय में अपेक्षित राहत के लिये अपील करे।

मायावती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए शुक्रवार को लिखा कि, राज्य सरकार न्यायालय में इस बात की पुरजोर पैरवी करती कि एससी समाज के हित व कल्याण के लिए ‘स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान’ के धन से जिला सहारनपुर, अम्बेडकरनगर, कन्नौज व जालौन में बनाये गये मेडिकल कॉलेजों में एससी वर्ग के लिए अतिरिक्त आरक्षण की व्यवस्था 50 प्रतिशत के सामान्य आरक्षण से अलग है। साथ ही इस व्यवस्था से स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान की भरपूर उपयोगिता साबित होती है, तो शायद कोर्ट इस मामले में जरूर सकारात्मक विचार करता और इस पर रोक नहीं लगाता।

किन्तु अब जबकि हाईकोर्ट ने इस पर पाबन्दी लगा दी है और मेडिकल दाखिला भी इससे प्रभावित है, तो ऐसे में यूपी सरकार तुरन्त सर्वोच्च न्यायालय में अपेक्षित राहत के लिये अपील करे।

यूपीआई ...

झेल रही है। ऐसे में सरकार की नीति और कार्ययोजना लाभ कमाने वाली व्यावसायिक व्यवस्था की बजाय कल्याणकारी अधिक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता की आर्थिक तंगी और दुख-तकलीफ की चिंता सरकार को करनी चाहिए।

मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार की करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 14,500 स्कूलों को स्मार्ट स्कूल बनाने की घोषणा का भी जिक्र किया। उन्होंने इसे अच्छी पहल बताया हुए कहा कि बच्चों को स्मार्ट पढ़ाई उपलब्ध कराने से पहले स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि स्कूली बच्चों के लिए भवन, बेंच-कुर्सी, किताबें, शौचालय, खेल मैदान और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त करना जरूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रति स्कूल करीब दो लाख रुपये की लागत में इन सभी बुनियादी जरूरतों को पूरा करना कितना संभव होगा, इस पर सरकार को सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि नई यूपीआई व्यवस्था के तहत 15 अक्टूबर से चुनिंवा मर्चेट लेनदेन में 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान पर मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होगा। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लेगा। और 2,000 रुपये तक के मर्चेट लेनदेन भी शुल्क से बाहर रहेंगे। सरकार के अनुसार लगभग 96 प्रतिशत मर्चेट यूपीआई लेनदेन इस बदलाव से प्रभावित नहीं होंगे।-

धर्म...

करने की कोशिश न करना भी धर्म के आचरण का हिस्सा है।सरसंघचालक भागवत ने कहा कि भारत धर्मप्राण देश है। भारत आर्थिक और सामरिक दृष्टि से बड़ा बनेगा, लेकिन यह अंतिम गंतव्य नहीं, एक पड़ाव है। भारत की व्यवस्था को पश्चिमी अर्थ में सेक्युलर समझना उचित नहीं है। भारत में राज्य का दायित्व सभी के साथ भेदभाव नहीं करना और सबका सम्मान करना है।उन्होंने भारत की परंपरा में परोपकार और सामाजिक दायित्व का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्वजों ने व्यापार किया, कमाया और धर्मदाय के माध्यम से समाज के लिए भी काम किया। शहरों में धर्मशालाएं बनवाई गईं। उनका संदेश था कि अपनी बुद्धि से कमाएं, अपना जीवन चलाएं, किंतु इस तरह नहीं कि दूसरे को कष्ट पहुंचे। जीवन तभी सार्थक है जब व्यक्ति के साथ समाज का जीवन भी आगे बढ़े।डॉ. भागवत ने कहा कि धर्म सत्य पर आधारित है। दुनिया में अनेकता प्रकृति और सृष्टि का हिस्सा है, इसे स्वीकार करना चाहिए। इसके साथ उन्होंने मनुष्य की एकता को भी रेखांकित किया। उनके अनुसार सत्य कठोर हो सकता है, लेकिन इसी सत्य के कारण मनुष्य के भीतर दूसरों के प्रति संवेदना पैदा होती है।उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया के संघर्षों में अनावश्यक रूप से हस्तक्षेप नहीं किया। अलग-अलग विचारधाराओं की सरकारें सत्ता में रहीं, लेकिन संकट के समय भारत ने लोगों की मदद की। उन्होंने पश्चिम दिशा के एक पड़ोसी देश का नाम लिए बिना कहा कि वह बार-बार विवाद खड़ा करता है और भारत को परेशान करता है। इसके बावजूद भारत ने जरूरत के समय सहायता करते हुए वहां की विचारधारा या सत्ता का हिसाब नहीं लगाया।संघ प्रमुख भागवत ने गुरुदेव रानादे का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके अनुसार हर धर्म के ऊपर एक और धर्म है। उन्होंने कहा कि जब अलग-अलग ‘रिलीजन’ धर्म के अनुसार चलते हैं तो वे मनुष्य को मुक्ति की ओर ले जाते हैं, लेकिन जब वे धर्म से हट जाते हैं तो संप्रदायिक कलह और धर्म के नाम पर अत्याचार की स्थितियां पैदा हो सकती हैं।उन्होंने ‘रिलीजन’ शब्द की व्युत्पत्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका संबंध बांधने और एक अनुशासन में रखने से है, जबकि धर्म का मूल अर्थ धारण करने से जुड़ा है। उनके अनुसार भारत में लंबे समय तक अपनी विरासत को भूलने के कारण ऐसी कई मानसिक गांठें बनी हैं, जिन्हें सत्य और ज्ञान के माध्यम से दूर करने की आवश्यकता है।आचार्य मिथिलेश नन्दिनी शरणजी महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम को आयोजकों ने युवा धर्म संसद का छठा संस्करण बताया है। इससे पहले काशी, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार और काज्जीपुरम् में इसके आयोजन हो चुके हैं। अगले वर्ष इसका आयोजन द्वारका में प्रस्तावित है। कार्यक्रम में धर्म की अस्तित्वपरक अवधारणा, कुत्रिम बुद्धिमत्ता और सूचना-विचार संघर्ष जैसे विषयों पर संवाद के साथ देशभर से चयनित युवाओं के विशेष उद्बोधन सत्र हो रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि धर्म रिलिजन नहीं है, बल्कि जीवन का अनुशासन है। किसी इच्छा की पूर्ति, भय, लोभ या प्राण बचाने के लिए भी धर्म का त्याग नहीं करना चाहिए। सुख-दुख आते-जाते रहते हैं, लेकिन धर्म नित्य रहता है। सरसंघचालक डॉ. भागवत शुक्रवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन प्रवास के दौरान यहीं देवास रोड स्थित गीता भवन में आयोजित तीन दिवसीय युवा धर्म संसद के दूसरे उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन और वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान सरसंघचालक ने युवाओं को धर्म का वास्तविक अर्थ समझाया और जीवन में इसके महत्व पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में रिलीजन और धर्म का अंतर बताते हुए स्पष्ट किया कि रिलीजन का अर्थ धर्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शब्दकोश में धर्म के लिए कोई सटीक शब्द ही नहीं है। रिलीजन शब्द की उत्पत्ति रिलिजियो से हुई है, जो बांधने का संकेत देता है, जबकि धर्म किसी को बांधता नहीं, बल्कि मुक्त करता है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति इसके कर्मकांड को मिटना चाहती है, इसलिए इसे रिलीजन का नाम देती है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि भारत धर्मप्राण देश है। किसी भी नए विचार या जिज्ञासा का समाधान पाने के लिए पहले अपने मन को स्थिर और खाली करना होगा। जब तक पुरानी बातें दिमाग से नहीं हटेंगी, तब तक नया सीखना संभव नहीं है। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि धर्म को लेकर भ्रम का एक कारण अपनी भाषा और धर्म के वास्तविक अर्थ को भूल जाना है। पश्चिमी देशों के लोगों ने भारत में धर्म के आचरण, उससे जुड़े कर्मकांड और अनुशासन को देखा। उसे अपने यहां के ‘रिलिजन’ के समान समझ लिया। बाद में हम भी धर्म को रिलिजन कहने लगे। जैसे कुश्ती सीखने के लिए अखाड़े में दंडबैठक लगाना जरूरी है, वैसे ही धर्म के कर्मकांड और अनुशासन उसके अथा्यास का हिस्सा हैं। कर्मकांड धर्म का एक अंग है, पूरा धर्म नहीं। रिलिजन धर्म नहीं है। आपको मोक्ष की ओर ले जाएगा धर्म उन्होंने कहा कि जीवन में आप जो भौतिक सुख, इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति चाहते हैं, वह धर्म के पालन से ही मिलती है। धर्म आपको मोक्ष की ओर ले जाएगा। किसी इच्छा को पूरा करने, डर या लालच के कारण या अपनी जान बचाने के लिए भी कभी धर्म का त्याग न करें। उन्होंने कहा कि जब मैंने ‘युवा धर्म संसद’ के बारे में सुना तो मुझे खुशी हुई कि युवा धर्म के बारे में सोच रहे हैं। आजकल ऐसी बातें सुनने को कम ही मिलती हैं। जब भी धर्म की बात होती है तो लोग कहते हैं कि यह बुढ़ापे की चीज है। उन्होंने कहा कि गीता और रामायण को रिटायरमेंट के बाद पढ़ने वाली किताबें माना जाता है लेकिन असल में ऐसा नहीं है। धर्म तो जीवन की शुरुआत से लेकर अंत तक बना रहता है और सब कुछ उसी के अनुकार चलता है। आप इसमें यकीन करें। या न करें, कुछ चीजें नियमों से चलती हैं। जब कोई व्यक्ति अहंकार में आकर काम करता है और सोचता है कि सब कुछ उसके कंट्रोल में है और उसकी मर्जी से होना चाहिए, तो उसे गलतफहमी हो जाती है कि चीजें वैसी ही होंगी जैसा वह

प्रधानमंत्री 20वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को 20वें रोजगार मेले के दौरान विभिन्न सरकारी संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्रदान करने के साथ नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, रोजगार मेले का आयोजन देशभर में 45 स्थानों पर किया जाएगा। इस दौरान नियुक्त होने वाले युवा केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार संभालेंगे। इनमें राजस्व विभाग, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और रक्षा मंत्रालय सहित अन्य विभाग शामिल हैं। सरकार के अनुसार, रोजगार मेला युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा उन्हें देश के विकास में अधिक भागीदारी का अवसर देने की दिशा में निरंतर प्रयास का हिस्सा है। 20वें रोजगार मेले के साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में अब तक करीब 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके होंगे।

मुख्यमंत्री योगी से केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने की शिष्टाचार भेंट लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुक्रवार को उनके सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग, लखनऊ पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के बीच हुई मुलाकात के दौरान पर्यावरण संरक्षण, वन क्षेत्र के विकास और जलवायु परिवर्तन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। दोनों के बीच उत्तर प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण एवं वन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय को लेकर भी विचार–विमर्श हुआ। मुलाकात के दौरान प्रदेश में हरित क्षेत्र के विस्तार, वन एवं वन्यजीव संरक्षण तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने से जुड़े विषयों पर भी चर्चा होने की जानकारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

अफ्रीका की खाद्य सुरक्षा के लिए थार की दलहनी फसलों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने ली जानकारी

बीकानेर । बदलती जलवायुवीय परिस्थितियों के बीच अफ्रीकी देशों में खाद्य सुरक्षा की संभावनाएं तलाशने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने थार के शुष्क क्षेत्रों में होने वाली मूंग, मोठ और अन्य दलहनी फसलों के अनुसंधान एवं जर्मप्लाज्म के बारे में जानकारी ली। यूनाइटेड किंगडम के किर्क हाउस ट्रस्ट और विश्वविद्यालय के बीच हुए एमओयू के तहत प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर राजस्थान आया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एनके शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान, मोठ–मूंग सहित अन्य दलहनी फसलों और जर्मप्लाज्म से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। किर्क हाउस ट्रस्ट के एसटीओएल कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पीपन माथुर ने कहा कि अफ्रीका के शुष्क क्षेत्रों में दलहनी फसलों की खेती सीमित है। जलवायु परिवर्तन के कारण किसानों के सामने नई चुनौतियां हैं। ऐसे में मोठ और मूंग बीन जर्मप्लाज्म साझा करने से खाद्य सुरक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए नई संभावनाएं बन सकती हैं। व्यवसायी आशीष अग्रवाल ने कहा कि बीकानेरी भुजिया ने बीकानेर को वैश्विक पहचान दिलाई और इससे रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला। उन्होंने कहा कि मारामा बीन पर हो रहा अनुसंधान किसानों और उद्यमियों के लिए उपयोगी हो सकता है। उद्यमी दीपक अग्रवाल ने कहा कि दाल आधारित प्रसंस्करण उद्योग पोषण सुरक्षा के साथ रोजगार और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में मददगार है। किर्क हाउस ट्रस्ट की सीईओ डॉ. क्लोडिया कैनल होलजैडस ने विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया। डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

चाहता है। लेकिन असल में ऐसा नहीं होता।

धर्म ही देता है युवाओं को दिशा

सरसंघचालक ने कहा कि धर्म केवल बुजुर्गों के लिए नहीं है बल्कि यह युवाओं को सही दिशा दिखाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि महाभारत के अंत के पांच श्लोक पूरी महाभारत का सार हैं। जीवन में धर्म से ही काम, अर्थ और मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि धर्म पर रोते-रोते चलने के बजाय यदि इसे समझकर अपनया जाए, तो जीवन सार्थक हो जाता है। किसी को पीड़ा न देना ही सबसे बड़ा धर्म है और पीड़ा देना महापाप है।

गौरतलब है कि, सेवाज्ञ संस्थानम् की ओर से सिद्धपीठ हनुमत निवास अयोध्या के पीठाधीश्वर एवं संरक्षक आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरणजी महाराज के मार्गदर्शन में 17 से 19 सितंबर तक उज्जैन में युवा धर्म संसद-2026 का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में देशभर से करीब 1,700 युवा छात्र-छात्राएं तथा 300 से अधिक विद्वान, शिक्षक, शोधकर्ता और धर्माचार्य हिस्सा ले रहे हैं। प्रसिद्ध पटकथा लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर भी कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 सितंबर को समापन सत्र में शामिल होंगे।

टीएमसी...

गई थी। आगामी 6 अक्टूबर को रेजीनगर और नंदीग्राम विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के मद्देनजर नाम और प्रतीक को लेकर यह विवाद अपने चरम पर पहुंच गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने दोनों शिविरों को तलब किया था। दो दौर की बैठकों के बाद, गुरुवार को आयोग ने ‘घास पर जोड़ा फूल’ चिह्न को फ्रीज करने का आदेश दिया और स्पष्ट कर दिया कि कोई भी पक्ष ‘ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस’ नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। दोनों पक्षों से तीन-तीन नए नामों और प्रतीकों के विकल्प मांगे गए थे, जिसके आधार पर आयोग ने शुक्रवार को आधिकारिक घोषणा कर दी। निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार, रेजीनगर और नंदीग्राम के उपचुनावों में दोनों गुटों को इन्हीं नए नामों और चिह्नों के साथ अपनी किस्मत अजमानी होगी।

आयोग के इस फैसले के तुरंत बाद तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ऋतुब्रत बनर्जी ने नाम लिए बिना ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा, ‘‘लोकतंत्र में राजा का बेटा राजा नहीं बनता। उतराधिकार जैसी कोई चीज नहीं होती। यह कोई प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहीं है।’’

दूसरी ओर, श्रीरामपुर के सांसद और ममता शिविर के वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी ने आयोग के इस फैसले को फिलहाल एक अस्थायी कदम बताया है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव प्रक्रिया के दायरे से बाहर हम पहले की तरह ही ‘घास पर जोड़ा फूल’ प्रतीक का उपयोग जारी रख सकते हैं। कल्याण बनर्जी ने तंज कसते हुए यह भी कहा कि ऋतुब्रत गुट का असली उद्देश्य इस फैसले से पूरा नहीं हो पाया है।

नंदीग्राम ...

कैनविज टाइम्स

लखनऊ, शनिवार, 19 सितम्बर 2026

11

प्रधानमंत्री 20वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को 20वें रोजगार मेले के दौरान विभिन्न सरकारी संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्रदान करने के साथ नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, रोजगार मेले का आयोजन देशभर में 45 स्थानों पर किया जाएगा। इस दौरान नियुक्त होने वाले युवा केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार संभालेंगे। इनमें राजस्व विभाग, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और रक्षा मंत्रालय सहित अन्य विभाग शामिल हैं। सरकार के अनुसार, रोजगार मेला युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा उन्हें देश के विकास में अधिक भागीदारी का अवसर देने की दिशा में निरंतर प्रयास का हिस्सा है। 20वें रोजगार मेले के साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में अब तक करीब 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके होंगे।

मुख्यमंत्री योगी से केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने की शिष्टाचार भेंट लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुक्रवार को उनके सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग, लखनऊ पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के बीच हुई मुलाकात के दौरान पर्यावरण संरक्षण, वन क्षेत्र के विकास और जलवायु परिवर्तन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। दोनों के बीच उत्तर प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण एवं वन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय को लेकर भी विचार–विमर्श हुआ। मुलाकात के दौरान प्रदेश में हरित क्षेत्र के विस्तार, वन एवं वन्यजीव संरक्षण तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने से जुड़े विषयों पर भी चर्चा होने की जानकारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

अफ्रीका की खाद्य सुरक्षा के लिए थार की दलहनी फसलों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने ली जानकारी

बीकानेर । बदलती जलवायुवीय परिस्थितियों के बीच अफ्रीकी देशों में खाद्य सुरक्षा की संभावनाएं तलाशने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने थार के शुष्क क्षेत्रों में होने वाली मूंग, मोठ और अन्य दलहनी फसलों के अनुसंधान एवं जर्मप्लाज्म के बारे में जानकारी ली। यूनाइटेड किंगडम के किर्क हाउस ट्रस्ट और विश्वविद्यालय के बीच हुए एमओयू के तहत प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर राजस्थान आया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एनके शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान, मोठ–मूंग सहित अन्य दलहनी फसलों और जर्मप्लाज्म से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। किर्क हाउस ट्रस्ट के एसटीओएल कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पीपन माथुर ने कहा कि अफ्रीका के शुष्क क्षेत्रों में दलहनी फसलों की खेती सीमित है। जलवायु परिवर्तन के कारण किसानों के सामने नई चुनौतियां हैं। ऐसे में मोठ और मूंग बीन जर्मप्लाज्म साझा करने से खाद्य सुरक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए नई संभावनाएं बन सकती हैं। व्यवसायी आशीष अग्रवाल ने कहा कि बीकानेरी भुजिया ने बीकानेर को वैश्विक पहचान दिलाई और इससे रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला। उन्होंने कहा कि मारामा बीन पर हो रहा अनुसंधान किसानों और उद्यमियों के लिए उपयोगी हो सकता है। उद्यमी दीपक अग्रवाल ने कहा कि दाल आधारित प्रसंस्करण उद्योग पोषण सुरक्षा के साथ रोजगार और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में मददगार है। किर्क हाउस ट्रस्ट की सीईओ डॉ. क्लोडिया कैनल होलजैडस ने विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया। डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बनर्जी के प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, इसलिए इस मुलाकात ने कई राजनीतिक सवाल खड़े कर दिए। यह राजनीतिक घटनाक्रम ममता बनर्जी के गुट के लिए एक बेहद उथल पुथल वाले दिन हुआ। चुनाव आयोग ने दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस का नाम और उसका पारंपरिक ‘घास और फूल’ (जोड़ा फूल) चुनाव चिह्न फ्रीज कर दिया है। आगामी उपचुनावों के लिए ममता गुट अब ‘ममता सर्वभारतीय तृणमूल कांग्रेस’ के नाम से और ‘फुटबॉल प्लेयर’ चिह्न के साथ चुनाव लड़ेगा। वहीं, बागी गुट को ‘डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस’ नाम और ‘लिफाफा’ चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। आयोग ने यह फैसला फिलहाल अंतिम है और असली पार्टी की मान्यता पर विचार जारी है।

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के इस फैसले पर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इसे भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का ‘काला दिन’ करार दिया और आयोग पर राजनीतिक पक्षपात तथा बदले की भावना से काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव चिह्न फ्रीज किए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह सब सिर्फ एक राजनीतिक दल के अहंकार को संतुष्ट करने के लिए किया गया है।

ममता ने आरोप लगाया कि उनके गुट के बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पुलिस सत्तारूढ़ दल की एक शाखा बन गई है, उनके 14 हजार कार्यकर्ता जेल में हैं और वह खुद नजरबंद होने के कारण कार्यकर्ताओं से नहीं मिल पा रही हैं।

हार न मानने का संकल्प जताते हुए ममता बनर्जी ने नाम लिए बिना ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा, ‘‘लोकतंत्र में राजा का बेटा राजा नहीं बनता। उतराधिकार जैसी कोई चीज नहीं होती। यह कोई प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहीं है।’’

गौरतलब है कि, तृणमूल कांग्रेस में यह विवाद विधायक दल से शुरू होकर संसदीय दल और अंततः चुनाव आयोग तक पहुंच गया। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद बीते जून महीने में 58 बागी विधायकों ने ममता गुट के उम्मीदवार शोभनदेव चट्टोपाध्याय के बजा

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के आरोपों पर किया पलटवार

सरकार दस्तावेजों के साथ जवाब देने को तैयार: धामी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस पर राजनीतिक मुद्दों के अभाव में झूठ, भ्रम और बेबुनियाद आरोपों के सहारे नैरेटिव खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आरोप तथ्य सामने आने के बाद कमजोर पड़ जाते हैं और सरकार हर आरोप का जवाब दस्तावेज एवं प्रमाण के साथ देने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कैम्प कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में हल्द्वानी की एक घटना, उत्तराखंड इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड (यूआईआईडीबी) और बिजली खरीद को लेकर कांग्रेस के आरोपों का उल्लेख



किया। हल्द्वानी की घटना को जातिगत भेदभाव से जोड़ने के कांग्रेस के आरोप पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बाद में सामने आए तथ्यों में घटना से जुड़े पांच लोगों के अनुसूचित जाति समाज से होने की बात सामने आई। उन्होंने कहा कि संवेदनशील सामाजिक विषयों पर तथ्यों की पुष्टि किए बिना राजनीति करना उचित नहीं है।

अमृतसर में ड्यूटी पर तैनात एएसआई की गोली मारकर हत्या

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के अमृतसर में बीती रात अज्ञात हथियारबंद युवकों ने ड्यूटी पर तैनात एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना रात करीब ढाई बजे की है, जब थाना गेट हकीमां में तैनात एएसआई हरजीत सिंह गश्त पर थे। पंजाब पुलिस महानिदेशक ने घटना पर शोक व्यक्त किया है। घटना की जिम्मेदारी आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान ने ली है लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

जानकारी के अनुसार पंजाब के तरनतारन निवासी एएसआई हरजीत सिंह गेट हकीमा पुलिस स्टेशन में तैनात थे। गुरुवार रात करीब 2:30 से 3 बजे के बीच वह दाना मंडी इलाके में पुलिस ड्यूटी पर थे। इसी दौरान बाइक पर आए दो हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया और फायरिंग कर फरार हो गए। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम



मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल हरजीत सिंह को तुरंत अमनदीप अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया लेकिन उनकी हालत नहीं संभल सकी और उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। हमले के बाद तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान नाम के संगठन की ओर से इसकी जिम्मेदारी लेने का दावा सामने आया है। घटना के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब सरकार शहीद के परिवार के साथ खड़ी है। सम्मान स्वरूप सरकार की ओर से 1 करोड़ रुपए की एक्स-ग्रेसिया पशि और एचडीएफसी बैंक की ओर से 1 करोड़ रुपए का चेक शहीद के परिवार को दिया जाएगा। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि घटनास्थल के आसपास फनाया और फायरिंग कर फरार हो गए। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम

पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर खाली कराया

पटना। पटना सिविल कोर्ट को शुक्रवार को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद न्यायालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पीरबहोर थाना पुलिस ने एहतियातन पूरे परिसर को खाली करा दिया और न्यायालय का कामकाज रोक दिया। पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड की टीमों मौके पर पहुंचकर सघन तलाशी अभियान चला रही हैं। धमकी भरे ई-मेल में सिविल कोर्ट के सभी भवनों को बम से उड़ाने की बात कही गई है। सूचना के बाद सुरक्षा के मद्देनजर न्यायालय का मुख्य द्वार बंद कर दिया गया और परिसर में मौजूद लोगों तथा कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया गया। पुलिस की ओर से धमकी वाले ई-मेल की भी जांच की जा रही है। इसके माध्यम से यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि संदेश कहां से और किस माध्यम से भेजा गया।

मुख्यमंत्री ने 100 ट्रेकिंग रूट्स के सर्वेक्षण दल को किया रवाना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से उत्तराखंड के 100 प्रमुख ट्रेक एवं हाइक रूट्स की जीपीएस/जीआईएस मैपिंग और तकनीकी सर्वेक्षण के लिए अभियान दल को प्लैंग ऑफ किया। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की टीमें चयनित ट्रेकिंग मार्गों का स्थलीय सर्वेक्षण कर उनकी विस्तृत मैपिंग करेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में साहसिक और ट्रेकिंग पर्यटन की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रसिद्ध ट्रेकिंग क्षेत्रों के साथ दूरस्थ और कम प्रसिद्ध मार्गों को पर्यटन मानचित्र पर लाने में आधुनिक तकनीक उपयोगी होगी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक मैपिंग से ट्रेकिंग को अधिक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। धामी ने कहा कि पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ पर्यटकों की सुरक्षा राज्य सरकार की प्राथमिकता है। जीपीएस/जीआईएस मैपिंग से ट्रेकर्स को



मार्ग की आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के साथ आपात स्थिति में राहत और बचाव कार्यों को भी अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। उन्होंने हिमालयी पारिस्थितिकी के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही। सचिव पर्यटन धीराज गर्व्याल ने बताया कि परियोजना के तहत 100 प्रमुख ट्रेक एवं हाइक रूट्स का जीपीएस/जीआईएस मैपिंग और तकनीकी सर्वेक्षण किया जाएगा। इसके आधार पर

यूआईआईडीबी को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने 7,000 बीघा जमीन दिए जाने का आरोप लगाया, जबकि सरकार स्पष्ट कर चुकी है कि बोर्ड को अब तक कुल 45 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि यूआईआईडीबी का उद्देश्य सामने से निवेश, आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसर बढ़ाना है। ऊर्जा खरीद के मुद्दे पर धामी ने कहा कि विपक्ष को सवाल उठाने के साथ अपने शासनकाल के फैसलों का भी हिसाब देना चाहिए। उनके अनुसार, कांग्रेस सरकार के समय किए गए गैस पावर करार के कारण वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य को गैस आधारित सामाजिक विषयों पर तथ्यों की पुष्टि किए बिना राजनीति करना उचित नहीं है।

प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन कर नीतीश कुमार तुरंत निकले

■ जदयू ने कहा- कार्यक्रम में रुकना तय नहीं था

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित एकदिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन करने के तुरंत बाद रवाना हो गए। सुबह करीब 11 बजे प्रदेश कार्यालय पहुंचे नीतीश कुमार ने कर्पूरी सभागार में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और इसके बाद पार्टी कार्यालय से निकल गए। उनके कार्यक्रम से तत्काल रवाना होने को लेकर पार्टी नेताओं ने कहा कि उनका कार्यक्रम में केवल उद्घाटन के लिए आना तय था। जदयू नेताओं के अनुसार, नीतीश कुमार अब संगठन के अधिकांश कार्यक्रमों में अधिक देर तक नहीं रुकते हैं। ऐसे में उद्घाटन के बाद उनका रवाना होना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। पार्टी ने पहले ही स्पष्ट किया था कि 18 सितंबर का आयोजन



सांसदों और विधायकों के लिए एकदिवसीय प्रबोधन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य जनप्रतिनिधियों को विधायी प्रक्रिया और उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराना है। नीतीश कुमार के रवाना होने के बाद कार्यक्रम की आगे की कार्यवाही राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में जारी रही। इस बीच कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी और अनुपस्थिति भी चर्चा में रही। कार्यक्रम शुरू होने के

■ एक सप्ताह में भाजपा नेताओं पर हमले की तीसरी घटना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के पठानकोट जाते समय उनके काफिले पर हमला किये जाने की खबर है। बिट्टू भाजपा की 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पठानकोट जा रहे थे। उन्होंने दावा किया कि उनकी सुरक्षा टीम ने तीन लोगों को पकड़ा, जिनके आम आदमी पार्टी से जुड़े होने का आरोप लगाया गया है। बिट्टू ने आरोप लगाया कि स्थानीय विधायक शैरी कलसी ने उनकी यात्रा रोकने के लिए इन लोगों को भेजा था। उन्होंने पंजाब सरकार से घटना की जांच कराने और राजनीतिक नेताओं व कार्यकर्ताओं की



सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि यदि उन्हें कोई नुकसान पहुंचता है, तो पंजाब के मुख्यमंत्री और डीजीपी जिम्मेदार होंगे। इन आरोपों की पुष्टि पुलिस ने अपनी रिपोर्टों में नहीं की है। भाजपा की 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' का शुक्रवार को पठानकोट से शुभारंभ होना है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन इसके शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। यात्रा को पंजाब के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों तक ले जाने की योजना है। इससे पहले 10 सितंबर को पंजाब भाजपा अध्यक्ष

केवल सिंह दिल्ली के काफिले को संगरूर जिले के तूर बंजारा गांव की ओर जाते समय रोकें जाने का मामला सामने आया था। भाजपा ने आरोप लगाया था कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनकी गाड़ी को रोककर हमला किया। उस समय

दिल्लों के साथ मनप्रीत सिंह बादल, सुनील जाखड़ और अश्वनी शर्मा भी मौजूद थे। बीते बुधवार को होशियारपुर के बारियां कलां गांव में डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा से कथित छेड़छाड़ के विरोध में आयोजित प्रदर्शन के दौरान भाजपा और बहुजन समाज पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता विजय सांपला घायल हो गए। रिपोर्टों के मुताबिक, सांपला के चेहरे के पास चोट लगी और नाक से खून आया, जबकि गर्दन पर खरोंचें भी आई थी।

मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक 25 साल की सेवा पर दिल्ली में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं सेवा कार्यक्रम: सत्या शर्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनकी 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा के अवसर पर स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) मुख्यालय सिविक सेंटर में आशीर्वाद का दीप जलाया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घ एवं सफल जीवन की कामना की। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा बताया कि इस अवसर पर सिविक सेंटर को तिरंगे के रंगों की रोशनी से सजाया गया। एमसीडी मुख्यालय की इमारत तिरंगे की रोशनी से जगमगाती नजर आई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा के अवसर पर दिल्ली में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि जनसेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी के भाव से जोड़ते हुए विभिन्न जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें 'स्वच्छता ही सेवा' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता, सेवा और नागरिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा।

‘नशा मुक्त पंजाब यात्रा’ में अक्षय शर्मा को 21 विधानसभा हलकों के ‘युवा संपर्क अभियान’ की जिम्मेदारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी की ओर से निकाली जा रही 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' में हल्का उत्तरी से भाजपा नेता अक्षय शर्मा को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। अक्षय शर्मा को 'युवा संपर्क अभियान' का 21 विधानसभा हलकों का ईंचार्ज बनाया गया है। भाजपा नेता अक्षय शर्मा ने बताया कि उन्होंने बताया कि यह यात्रा पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों और करीब 12,000 गांवों से होकर गुजरेगी। इसे चार अलग-अलग रूटों (पठानकोट, फतेहगढ़ साहिब, फाजिल्का और तलवंडी साबो) से शुरू किया जा रहा है। जिसका समापन 30 सितंबर को जालंधर में एक बड़ी रैली के साथ होगा जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हो सकते हैं। अक्षय शर्मा ने बताया कि इस यात्रा के लिए उन्हें बेहद

एहम जिम्मेदारी दी गई है, जिसमें अजनाला, राजासांसी, अटारी, अमृतसर वेस्ट, अमृतसर सेंट्रल, अमृतसर साउथ, अमृतसर ईस्ट, अमृतसर नॉर्थ, मजीठा, जडियाला, बाबा बकाला, तरन तारन, खड्डर साहिब, खेम करण, पट्टी, फिरोजपुर सिटी, गुरु हर सहाय, फिरोजपुर रूरल, जीरा, सुल्तानपुर लोधी, भूलथ का युवा सम्पर्क अभियान का ईंचार्ज लगाया गया है। इन विधानसभा हलकों में यह यात्रा 22 से 28 तक चलेगी। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही देश की ऐसी कड़ी है जिससे न केवल विकास की राह आसान होगी बल्कि जो बुराईयां इस समय पंजाब पर हावी हैं उनका खात्मा होगा। उन्होंने कहा कि युवकों से संपर्क सिर्फ यात्रा के लिए ही नहीं किया जा रहा बल्कि उन्हें साथ जोड़कर नशे के खिलाफ यह बड़ी जंग छेड़ी जा रही है।

एयर मार्शल तरुण चौधरी ने राज्यपाल अता हसनैन से की मुलाकात

■ बिहटा हवाई अड्डे के संयुक्त उपयोग पर चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। केंद्रीय वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल तरुण चौधरी ने शुक्रवार को राजभवन में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान नागरिक-सैन्य सहयोग को मजबूत करने, भारतीय वायु सेना और बिहार सरकार के बीच समन्वय को और प्रभावी बनाने तथा बिहटा हवाई अड्डे के भविष्य में संयुक्त उपयोग समेत कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। एयर मार्शल चौधरी ने राज्य प्रशासन के साथ पारस्परिक महत्व के विभिन्न विषयों पर हुई प्रगति से राज्यपाल को अवगत कराया। बैठक में आपदा की स्थिति में



त्वरित प्रतिक्रिया और राहत कार्यों के लिए तैयारियों को मजबूत करने के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा एवं जनकल्याण से जुड़े साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श हुआ। बिहटा हवाई अड्डे के भविष्य में संयुक्त उपयोग को लेकर भी दोनों पक्षों के बीच चर्चा हुई। इसके अलावा आपदा-प्रतिक्रिया तंत्र को और प्रभावी बनाने तथा जल्दतर के समय सैन्य एवं नागरिक संस्थानों

के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के मुद्दे पर विचार किया गया। एयर मार्शल तरुण चौधरी ने राज्यपाल को वायु सेना स्टेशन, बिहटा का दृष्टांत करने के लिए आमंत्रित किया। मुलाकात के अंत में दोनों पक्षों ने भारतीय वायु सेना और बिहार सरकार के बीच मौजूदा समन्वय को बनाए रखने तथा संस्थागत सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।